द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)

क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2018 – 2020

(As per NCFTE- 2009 and Revised Two Years B.Ed. NCTE-2014)

शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षा संकाय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली – ११००१६

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम

उद्देश्य

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तरों की शिक्षा हेतु संस्कृत अध्यापक तैयार करना है। इस पाठ्यक्रम के अन्य महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों का उल्लेख निम्नांकित है–

छात्राध्यापकों को–

– शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्यों से परिचित कराना।

– अधिगमकर्त्ता के मनोविज्ञान की महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं को आत्मसात कराना।

– शिक्षण अधिगम में तकनीकी के प्रयोग की दक्षता विकसित कराना।

– समसामायिक भारत में शिक्षा की नीतियों एवं समस्याओं के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

– शास्त्र शिक्षण की विधियों के प्रयोग हेतु अपेक्षित स्तर की क्षमता विकसित करना।

– शिक्षा मे अधिगम आकलन के महत्वपूर्ण सम्प्रत्ययों के प्रयोग की क्षमता विकसित करना।

– विद्यालय प्रबन्धन सम्बन्धित क्षमताओं का विकास कराना।

– विद्यालय सम्बन्धी समस्याओं का क्रियात्मक अनुसंधान द्वारा समाधान करने की क्षमता में संवर्द्धन करना।

– संस्कृत शिक्षण के विभिन्न पाठों की शिक्षण विधियों में पारंगत कराना।

– विद्यालय स्तर पर अध्यापित अन्य विषयों यथा अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी एवं गणित के शिक्षण में दक्षता विकसित कराना।

– विद्यालय स्तर पर अध्यापित संस्कृत व अन्य विषयों यथा अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी एवं गणित के शिक्षण का वास्तविक परिस्थितियों में अभ्यास प्रदान कराना।

– पर्यावरण शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सप्रत्ययों से अवगत कराना।

– शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यों को पहचानना एवं व्यावहारिक रूप में आत्मसात कराना।

– कम्प्यूटर से सम्बन्धित महत्वपूर्ण प्रत्ययों को जानना एवं एम.एस.ऑफिस के शैक्षिक प्रयोग की क्षमता विकसित कराना।

– योग एवं स्वास्थ्य शिक्षा का शैक्षिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में अवबोध विकसित कराना।

– शिक्षा से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों यथा निर्देशन, लैंगिकता (Gender) मानवाधिकारों आदि से अवगत कराना।

– समावेशित शिक्षा, सुविधा वंचित वर्गों की समस्याओं के सन्दर्भ में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम स्वरूप

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम **2400** अंक एवं **96** क्रेडिटस का है जिसकी क्रियान्विति चार सेमेस्टरों में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर **600** अंक एवं **24** क्रेडिटस का होगा। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चार मुख्य घटक यथा सैद्धान्तिक, प्रायोगिक, विद्यालय सम्बद्धता एवं शैक्षिक गतिविधियाँ हैं। सैद्धान्तिक घटक में **15** कोर्सेज एवं प्रायोगिक में **4** कोर्सेज हैं। इन मुख्य घटकों में कोर्स, उनकी संख्या, अंक एवं क्रेडिटस का निर्धारण निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

कुल अंक = 2400

कुल क्रेडिटस = 96+8*

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम के मुख्य घटक एवं कोर्स का स्वरूप

मुख्य घटक	कोर्स के नाम	कोर्स की संख्या	कुल अंक	कुल क्रेडिट	कुल क्रेडिटस एवं अंक
(A) सैद्धान्तिक (Theory)	(i) संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective-CP)	3	300	12	60 (1500 अंक)
	(ii) संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory-CC)	8	800	32	
	(iii) वैकल्पिक (Elective - E)	1	100	04	
	(iv) वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy- EP)	2	200	08	
	(v) अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy - CP)	1	100	04	
(B) प्रायोगिक–ई.पी.सी. **(Practicum - E.P.C)**	प्रायोगिक कार्य (Practical)	4	400	16	**16 (400 अंक)**
(C) विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)	शिक्षणाभ्यास (Teaching Practice)	-	500	20	**20 (500 अंक)**
	(D) शैक्षिक गतिविधियां (Educational Activities)	4	200	08*	08*

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम संरचना का प्रारूप

कुल अंक 2400 — क्रेडिटस = 96+8*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कुल अंक (Marks)	क्रेडिटस (Credits)	कोर्स की संख्या (No. of Course)	कुल क्रेडिटस (Credits)
	प्रथम सेमेस्टर (First Semester)	600			24
101–102	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	200	04	02	08
103–104	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	200	04	02	08
105	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100	04	01	04
111	प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	100	04	01(i-v)	04
	द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)	600			24
121–123	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	300	04	03	12
124	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy)	100	04	01	04
125	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100	04	01	04
131	प्रायोगिक–ई.पी.सी.(Practicum-EPC)	100	04	01(i-v)	04
	तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)	600			24
141	विद्यालय सम्बद्धता (School Internship) बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 400 अंक आंतरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 200 अंक	500			20
151	प्रायोगिक–ई.पी.सी.(Practicum-EPC)	100	04	01(i-v)	04
	चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)	600			24
161–163	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	300	04	03	12
164	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100	04	01	04
165	वैकल्पिक (Elective)	100	04	01(i-v)	04
171	प्रायोगिक–ई.पी.सी.(Practicum-EPC)	100	04	01(i-v)	04
112,132, 152,172	शैक्षिक गतिविधियाँ 80% उपस्थिति अनिवार्य (Educational Activities)	200	02	04	08*

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

क्रेडिटस = 24+2*

कुल अंक 600

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
101	1	शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical & Sociological Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
102	2	अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान (Psychology of Learning & Development)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
103	3	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग (Application of Information & Communication Technology)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
104	4	विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व (School Management & Leadership)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
105	5	शास्त्रशिक्षण (Teaching of Shastra)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
	5–I	ज्योतिष शिक्षण (Teaching of Jyotish)					
	5–II	साहित्य शिक्षण (Teaching of Sahitya)					
	5–III	दर्शन शिक्षण (Teaching of Darshan)					
	5–IV	व्याकरण शिक्षण(Teaching of Vyakaran)					
	5–V	वेद शिक्षण (Teaching of Veda)					
	5–VI	कर्मकाण्ड शिक्षण (Teaching of Karmakand)					
111		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक - ई.पी.सी.	100	04	08	160
(i)		पाठ्यवस्तु का पठन एवं चिन्तन (Reading & Reflecting the text) अरविन्दो, पं.मदन मोहन मालवीय, रविन्द्र नाथ टैगोर- व्यक्तित्व एवं कृतित्व		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक, परीक्षण (Psychological Test)		20			
(iii)		सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का समीक्षात्मक अवबोध आधारित कार्य (Critical Understanding of ICT based work)		20			
(iv)		शास्त्र शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण एवं अनुरूपित रूप में प्रस्तुतिकरण।(Preparation and Presentation of Lesson Plan based on Shastra Teaching in Simulated Way)		20			
(v)		संस्कृत सम्भाषण (Spoken Sanskrit)		20			
112		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	उपस्थिति =80% Attandance	
(i)		संस्कृत सप्ताह					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद/प्राथमिक चिकित्सा					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम					
(v)		कला सम्बन्धित गतिविधियाँ					

शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रथम वर्ष

कुल अंक 600

द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
121	6	शिक्षण अधिगम की तकनीकी (Technology of Teaching Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
122	7	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
123	8	शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research in Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
124	9	संस्कृत शिक्षण (Teaching of Sanskrit)	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
125	10	अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण (कोई एक) (Teaching of other school subjects-Any one)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
125-(i)	10 I	अंग्रेजी शिक्षण (Teaching of English)					
125-(ii)	10 II	हिंदी शिक्षण (Teaching of Hindi)					
125-(iii)	10III	समाजिक शिक्षण (Teaching of Social Science)					
125-(iv)	10IV	गणित शिक्षण (Teaching of Mathematics)					
125-(v)	10 V	अर्थशास्त्र/इतिहास/भूगोल/राजनीति विज्ञान शिक्षण (Teaching of Economics /History/ Geography/Political Science)					
131		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक (ई.पी.सी. सहित)	100	04	08	160
(i)		शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण (Improvising Teaching-learning Materials)		20			
(ii)		ब्लू प्रिंट निर्माण (Construction of Blue Print)		20			
(iii)		संस्कृत शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण (Preparation of Lesson Plans based on Sanskrit Teaching)		20			
(iv)		अन्य विषय शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण एवं अनुरूपित रूप में प्रस्तुतिकरण (Preparation and presentation of Lesson Plan based on other subject teaching in Simulated Way)		20			
(v)		दो सप्ताह के विद्यालय सम्बद्धता शिक्षण आधारित विमर्शी प्रतिवेदन निर्माण (Preparation of Reflective Report based on Two Weeks School Attachment Teaching)		20			
132		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% (उपस्थिति) Attandance	
(i)		स्लोगन लेखन प्रतियोगता (Slogan Writing competetion)					
(ii)		स्वच्छता अभियान परिसर आधारित (Campus based Cleanliness Drive)					
(iii)		नुक्कड़ नाटक (Street Play)					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					
(v)		क्रीड़ा एवं खेल-कूद (Sports & Games)					

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष

कुल अंक 600

तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	समयावधि (Time Duration)
141	विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)		500	20	18 सप्ताह (Weeks)
	बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 400 (External-Summative Evaluation) आन्तरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 100 (Internal-Formative Evaluation)	शिक्षणभ्यास (Teaching Practice)	500		
151	प्रायोगिक - ई.पी.सी. **(Practicum-EPC)**	प्रायोगिक (ई.पी.सी. सहित)	100	04	2 सप्ताह (Weeks)
(i)	सूक्ष्म शिक्षण द्वारा कौशलों का विकास (Development of skills by micro teaching)			20	
(ii)	सम्बद्ध विद्यालय पार्श्वचित्र (Attached School Profile)			20	
(iii)	विद्यालय आधारित गतिविधियों में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन लेखन (Participation in School Based Activities & its Report Writing)			20	
(iv)	क्रियात्मक अनुसंधान आधारित परियोजना (Action Research based Projects)			20	
(v)	सहपाठी कक्षा-शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन (Peer Group Classroom Teaching Observation based report)			20	
152	शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% **Attandance**
(i)	परिसर आधारित स्वच्छता अभियान (Institution based Cleanliness Drive)				
(ii)	विद्यालय शिक्षकों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान (Special lectures by school teachers)				
(iii)	क्रीडा एवं खेल-कूद (Sports and Games)/ स्काउट एवं गाइड (Scout & Guide)				
(iv)	अभिभावक शिक्षक बैठक (Parent Teacher Meeting)				

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष — कुल अंक 600

चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप — क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
161	11	पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
162	12	मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार (Value Education & Professional Ethics)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
163	13	योग, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Yoga, health & Physical Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
164	14	समसामयिक भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
165	15	निम्नलिखित में से कोई एक (Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
165-(i)	15 I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
165-(ii)	15 II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guideling and Counselling)					
165-(iii)	15III	जेंडर विद्यालय एवं समाज (Gender, School and Society)					
165-(iv)	15IV	कला शिक्षा (Art Education)					
165-(v)	15 V	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
171		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक ई.पी.सी.	100	04	08	160
(i)		क्षेत्र आधारित सामुदायिक कार्य (Field based Community Work)		20			
(ii)		विमर्शी संगोष्ठी/शिक्षकों के व्यवसायिक आचार पर आधारित कार्यशाला (Reflective Seminar/Workshop based on professional ethics of Teachers)		20			
(iii)		आधुनिक परिप्रेक्ष्य की समस्याओं पर लक्ष्य समूह आधारित परिचर्या एवं प्रतिवेदन (Focussed group Discussion based on Current Problems and Report writing)		20			
(iv)		विभिन्न आसन आत्म अवबोध के परिप्रेक्ष्य में (Various Assans in the Perspective of Understaning of self)		20			
(v)		वैकल्पिक विषय आधारित प्रायोगिक कार्य (Elective Paper based Practical work)		20			
172		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% (उपस्थिति) Attandance	
(i)		विभागीय पत्रिका (Departmental magazine)					
(ii)		Foundation course by Woman Studies Centre					
(iii)		आर्ट गैलरी/शैक्षिक भ्रमण (Visit to Art Gallery/Educational Tour)					
(iv)		क्रीड़ा एवं खेल-कूद (Sports & Games)					
(v)		सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन विधियाँ

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा विशेषकर संवादपरक **व्याख्यान विधि (Interactive Lecture Method)**। इसके साथ-साथ जिन अन्य क्रियान्वयन विधियों का प्रयोग पाठ्यक्रम की कियान्विति हेतु किया जायेगा, उनका उल्लेख निम्नलिखित है-

परिचर्चा (Discussion)- इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में परिचर्चा विधि का भी प्रयोग दो प्रकार से किया जायेगा- युग्म परिचर्चा एवं समूह परिचर्चा। युग्म परिचर्चा के अन्तर्गत छात्रों के युग्म (जोड़) बनाकर तथा समूह परिचर्चा में कक्षा को छोटे समूहों में बाँटकर शिक्षक द्वारा दिये गये विषय पर चर्चा करवाकर सम्पन्न किया जायेगा। इससे छात्रों में विषय का संश्लेषण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास होगा।

दत्त कार्य (Assignment)- इस विधि का प्रयोग छात्रों की लिखित अभिव्यक्ति मुख्य रूप से विषय का अवबोध, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन तथा समीक्षा से सम्बन्धित क्षमताओं के विकास करने हेतु किया जायेगा।

प्रश्नोत्तरी (Quiz) - इस विधि का प्रयोग इकाई समापन एवं कक्षा शिक्षण के समय किया जायेगा। इसमें कक्षा छात्रों के विभिन्न समूहों के समक्ष शिक्षण विषय की इकाईयों से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न अध्यापक द्वारा प्रस्तुत करके प्रश्नोत्तरी के रूप में किया जायेगा।

विचारावेश (Brainstorming) - इस रचनाकौशल का प्रयोग छात्रों में समस्या के सृजनात्मक समाधान हेतु किया जाता है। अत: कक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान ढूंढने हेतु इसका प्रयोग किया जायेगा।

इकाई परीक्षण (Unit Test)- पाठ्यक्रम मे निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित इकाईयों के समापन के पश्चात वस्तुनिष्ठ एवं लघुत्तरीय प्रश्नों पर आधारित मौखिक या लिखित परीक्षण छात्र के अवबोध परीक्षण हेतु किया जायेगा।

परियोजना विधि (Project Method)- इस विधि द्वारा पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान पर आधारित परियोजना निर्माण की जायेंगी।

सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप

(Structure of the Question Paper for Theory Papers)

कुल अंक = **100**

(Total Marks)

75 अंक = बाह्य (लिखित परीक्षा)

75 Marks =External (Written Examination)

25 अंक = आन्तरिक (सत्रीय कार्य)

25 Marks= Internal (Sessional Work)

लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूप:

प्रश्न का स्वरूप **(Form of the Question)**	प्रश्न प्रकार **(Type of Question)**	प्रश्नों की संख्या **(No. of Questions)**	अंक/प्रश्न **(Marks/Question)**	कुल अंक **(Total Marks)**
(क) अनिवार्य (Compulsory)	लघु–उत्तरीय (Short Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	2 अंक/प्रश्न	5 (प्रश्न)X2 (अंक) = **10**
		5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	3 अंक/प्रश्न	5 (प्रश्न)X3 (अंक) = **15**
(ख) आन्तरिक विकल्प (Internal Choice)	दीर्घ उत्तरीय (Long Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न) (Two Questions from each unit)	10 अंक/प्रश्न	5(प्रश्न)x10(अंक) = **50**
			कुल अंक **(Total Marks)**	75 अंक

ग्रेड प्रणाली मूल्यांकन

SGPA और CGPA द्वारा छात्र निष्पत्तियों का सेमेस्टर में मूल्यांकन का स्वरूप

(Structure of Evaluation Procedure of Students Performance in Semester)

अंक प्रसार (Scores Range)	ग्रेड (Grade)	ग्रेड पाइन्ट (Grade Point)
90-100	O	10
80-89	A	9
70-79	B	8
60-69	C	7
50-59	D	6
40-49	E	5
Pass with Grace Point	P	4
0-39	F	0
Non-Apperences in Examination (Incomplete)	I	-
Compulsory Course	Z	

SGPA*- Semester Grade Point Average का गणना सूत्र

SGPA= where **Ci** = No. of Credits assigned of i^{th} course of a Semester
Pi = Grade point earned in the i^{th} course.
i = 1. ....n, represent no. of courses in which students is registered in the concerned semester.

CGPA*- Cumulative Grade Point Average का गणना सूत्र

CGPA=. where **Cj** = No. of credits assigned for j^{th} course of a semester for which CGPA is to be calculated
Pj = Grade point earned in the j^{th} course.
j = 1. ....m, represent no. of courses in which students is registered from the 1^{st} semester to the semester for which CGPA is to be calculated.

* **SGPA** एवं **CGPA** को दो दशमलव स्थान तक गणना करनी चाहिए।

श्रेणी निर्धारण

CGPA	श्रेणी (Division)
8.5 & above	First division with distinction
6.5 & above but below 8.5	First division
5.0 & above but below 6.5	Second division
4.0 & above but below 5.0	Third division

CGPA को सम्बन्धित अंक प्रतिशत में परिवर्तित करने का सूत्र

$X = 10\,Y - 4.5$ where X = अंक प्रतिशत
Y = CGPA

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक 600 | क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
101	1	शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical & Sociological Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
102	2	अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान (Psychology of Learning & Development)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
103	3	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग (Application of Information & Communication Technology)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
104	4	विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व (School Management & Leadership)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
105	5 5- I 5- II 5- III 5- IV 5 - V 5- VI	शास्त्रशिक्षण (Teaching of Shastra) ज्योतिष शिक्षण (Teaching of Jyotish) साहित्य शिक्षण (Teaching of Sahitya) दर्शन शिक्षण (Teaching of Darshan) व्याकरण शिक्षण(Teaching of Vyakaran) वेद शिक्षण (Teaching of Veda) कर्मकाण्ड शिक्षण (Teaching of Karmakand)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
111		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक - ई.पी.सी.	100	04	08	160
(i)		पाठ्यवस्तु का पठन एवं चिन्तन (Reading & Reflecting the text) अरविन्दो, पं.मदन मोहन मालवीय, रविन्द्र नाथ टैगोर- व्यक्तित्व एवं कृतित्व		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological Test)		20			
(iii)		सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का समीक्षात्मक अवबोध आधारित कार्य (Critical Understanding of ICT based work)		20			
(iv)		शास्त्र शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण एवं अनुरूपित रूप में प्रस्तुतिकरण। (Preparation and Presentation of lesson Plans based on Shastra Teaching in simulated way)		20			
(v)		संस्कृत सम्भाषण (Spoken Sanskrit)		20			
112		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	उपस्थिति =80% Attandance	
(i)		संस्कृत सप्ताह					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल-कूद/प्राथमिक चिकित्सा					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम					
(v)		कला सम्बन्धित गतिविधियाँ					

1. शिक्षा का दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

(Philosophical and Sociological Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 101 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- प्रमुख दार्शनिक विचारधाराओं तथा शिक्षा पर उनके प्रभाव से परिचित कराना।
- आधुनिक भारत तथा विश्व समाज के संदर्भ में शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों से अवगत कराना।
- भारतीय तथा पाश्चात्य विचारकों के शैक्षिक योगदान के समीक्षात्मक अध्ययन हेतु परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय समाज की समस्याओं के विश्लेषण हेतु परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- राष्ट्रीय एकता और अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना को प्रोन्नत करने की अवधारणा को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझने की योग्यता विकसित करना।
- पाठ्यक्रम योजना–विकास तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ के केन्द्रिक पाठ्यक्रम और एन.सी.एफ. २००९ के बारे में जानकारी के आधार पर चिन्तन परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई – १ : शिक्षा के स्वरूप– अर्थ एवं अवधारणा, आधुनिक शिक्षा की अवधारणा। शिक्षा को प्रभावित करने वाले तत्व: दार्शनिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में। शिक्षा के प्रकार– औपचारिक, अनौपचारिक, निरौपचारिक।

इकाई – २ : शिक्षा और दर्शन– शिक्षा दर्शन का सम्प्रत्यय, शिक्षा एवं दर्शन का पारस्परिक संबंध, प्रमुख दार्शनिक विचाराधाराएं, उनकी विशेषताएं और उनका शिक्षा पर प्रभाव। भारतीय दार्शनिक स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्द एवं महात्मा गांधी के विशेष संदर्भ में। शिक्षादर्शन के परिप्रेक्ष्य में शैक्षिक उद्देश्यों, पाठ्यक्रमों, शिक्षण–अधिगम की रणनीतियों, शिक्षक–छात्र सम्बन्ध एवं समुदाय की भूमिका के बारे में समीक्षात्मक विश्लेषण एवं व्यष्टि अध्ययन परक प्रस्तुतियाँ।

इकाई – ३ : शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन– सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक नियत्रंण में शिक्षा की भूमिका: भारतीय समाज में उपलब्ध असमानताओं एवं उनके प्रभावों का आकलन, लिंग, आर्थिक परिस्थिति एवं सामाजिक–सांस्कृतिक सन्दर्भों में दृष्टिगत कतिपय समस्याएँ। उन पर केन्द्रित चर्चा एवं समाधान हेतु कृत उपायों का समीक्षात्मक विश्लेषण एवं उनमें अपेक्षित सुधार के आयाम।

इकाई – ४ : राष्ट्रीय एकता एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना– अर्थ, सम्प्रत्यय, राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व, भारतीय एकता के उन्नयन में शिक्षा का दायित्व, लोकतत्रं, धर्मनिरपेक्षता संबंधी चुनौतियां। वैश्विक सन्दर्भ में नैतिक शिक्षा और मूल्यों का विकास और शिक्षा की भूमिका। भारतीय सन्दर्भ में प्रेक्षित विशिष्ट मुद्दे एवं उन पर चर्चा।

इकाई – ५ : शिक्षा के समसामयिक मुद्दे – अर्थ, संरचना तथा विकास, प्रकार और निर्माण के आधारभूत सिद्धान्त, पाठ्यचर्या विकास के केन्द्रिक अनुक्षेत्र राष्ट्रीय शिक्षानीति १९८६, संशोधित नीति १९९२, एन.सी.एफ.२००५ तथा एन. सी.एफ २००९ के सन्दर्भ में।

सत्रीय कार्य – निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर प्रस्तुतीकरण एवं परिचर्चा आयोजित करना। — 25 अंक

१. व्याख्या, सेमिनार प्रस्तुतीकरण, वादविवाद (दार्शनिकों, कतिपय चयनित भारतीय शिक्षाविदों पर)

२. जिम्मेदार नागरिक की तैयारी हेतु अध्यापक की भूमिका।

३. शिक्षा और लोकतन्त्र, शिक्षा और मूल्य परिचर्चा आधारित संवाद।

४. वर्तमान शिक्षा प्रणाली में मूल्यों का विकास।

५. राष्ट्रीय एकता और अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के उन्नयन में शिक्षा की भूमिका पर आधारित संगोष्ठी।

६. व्यष्टि अध्ययनपरक प्रस्तुतियाँ।

अध्येय ग्रन्थ–

१. ओड, एल.के. (१९९०) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्री भूमिका, मैकमिलन, नई दिल्ली।

२. पाण्डेय आर.एस.(१९८८) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (उ.प्र.)।

३. रस्क आर.एस. (१९९०) शिक्षा के दार्शनिक आधार–राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

४. पाण्डेय, दुर्गादत्त (१९९५) चिन्तन के विविध आयाम, प्रमानिक पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद (उ.प्र.)।

५. डागर,बी.एस. (१९८८) मूल्य शिक्षा, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चंडीगढ।

६. ब्रूबेकर जे.एस. (१९६९) मार्डन फिलासफीज आफ एजुकेशन, मैक ग्रा हिल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

७. हार्न.एच.एस. (१९८०) डेमोक्रेटिक फिलासाफी आफ एजूकेशन,मैकमिलन न्यूयार्क।

८. रेमण्ट (१९८२) प्रिन्सपल्स आफ एजूकेशन लांगमैन ग्रीन, लंदन।

९. झा, नागेन्द्र (१९९०) वैदिक शिक्षा पद्धति और आधुनिक शिक्षापद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।

१०.मिश्र भास्कर (१९८८) वैदिक शिक्षा मीमांसा महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।

११.पाठक. आर.पी. (२०१०) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, पिर्यसन एजुकेशन, नई दिल्ली।

१२. पाठक. आर.पी. (२०११) भारत के महान शिक्षाशास्त्री, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

१३. पाठक. आर.पी. (२०१२) विश्व के महान शिक्षाशास्त्री, पिर्यसन एजुकेशन, नई दिल्ली।

१४.मिश्र एच.एन. (१९९६) समकालीन दार्शनिक चिन्तन, किताबधर, कानपुर।

१५.नेल्सन वी.एच. (१९७०) मार्डन फिलासाफीज एण्ड एजुकेशन, सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद (उ.प्र.)

१७. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (२०१३) भारतीय समाज में शिक्षा का उदीयमान परिदृश्य, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

१८. रमन बिहारी लाल (१९९५) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

१९. पाठक, आर.पी. एवं चौधरी, रजनी जोशी (२०१३) शिक्षा सिद्धान्त, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

२०. पाण्डेय के.पी. (२००५) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)।

2. अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान

(Psychology of Learning and Development)

कोर्स कोड = 102 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व से अवगत कराना।

– किशोरावस्था के विशेष सन्दर्भ में मानव वृद्धि एवं विकास की विभिन्न अवस्थाओं तथा प्रकारों का निहितार्थ समझाना।

– अधिगम सिद्धान्तों के सन्दर्भ में अधिगम की वास्तविक प्रक्रिया से परिचित कराते हुए अभिप्रेरणा के साथ इसका सम्बन्ध स्पष्ट करना।

– बुद्धि तथा इसके सिद्धान्त, बुद्धि मापन तथा विशिष्ट बालकों एवं उनकी विशेषताओं तथा शिक्षण व्यवस्था हेतु निहितार्थ का अवबोध कराना।

– व्यक्तित्व की प्रकृति,विकास और व्यक्तिगत विभिन्नताओं से अवगत कराते हुए मानसिक स्वास्थ्य अनुरक्षण के उपायों पर आधारित परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई – १ : शिक्षा मनोविज्ञान– अवधारणा (प्राचीन एवं आधुनिक सन्दर्भ में) उद्‌देश्य,क्षेत्र एवं शिक्षक के लिए महत्व। मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में अधिगमकर्त्ता, परिवेश एवं सुविधा वंचित विद्यार्थी– उनकी मनोसामाजिक विशेषताओं का विश्लेषण।

इकाई – २ : वृद्धि एवं विकास– अवधारणा तथा विकास के सिद्धान्त, अवस्थाएं, बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक, भाषिक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं नैतिक विकास तथा उनका शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में निहितार्थ।

इकाई – ३ : अधिगम एवं अभिप्रेरणा– अधिगम की अवधारणा, विशेषताएं, प्रभावित करने वाले कारक, प्रकार (गैने के अनुसार) अधिगम के सिद्धान्त–थार्नडाइक का सम्बन्धवाद, पावलाव का शास्त्रीय अनुबन्धन, स्किनर का क्रिया प्रसूत अनुबन्धन, कोहलर का अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त तथा पियाजे का संज्ञानवादी अधिगम, आधुनिक रचनावादी परिप्रेक्ष्य में अधिगम, विद्यार्थी एवं अध्यापक की भूमिका।

अभिप्रेरणा: अवधारणा, प्रकार, मॉसलो का पदानुक्रमिता सिद्धान्त तथा छात्रों को अभिप्रेरित करने की प्रविधियां।

इकाई – ४ : बुद्धि एवं विशिष्ट बालक– बुद्धि – अवधारणा,प्रकार,सिद्धान्त – स्पीयरमैन का द्विकारक तथा गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त, बुद्धि सम्बन्धी आधुनिक अवधारणाएँ – भावात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धिः शिक्षण अधिगम की परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में। बुद्धि मापन (व्यक्तिगत एवं सामूहिक विधियां) तथा चिन्तन का मनोविज्ञान।

विशिष्ट बालक – अवधारणा, प्रकार –प्रतिभाशाली, सर्जनात्मक,अधिगम अक्षम,शारीरिक एवं मानसिक रूप से विकलांग तथा बाल अपचारिता (विशेषताएं, शिक्षण तथा निर्देशन)।

इकाई – ५ : व्यक्तित्व एवं मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान– व्यक्तित्व – व्यक्तित्व की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, प्रकार, निर्धारक तत्व, व्यक्तित्व का मापन(आत्मनिष्ठ, वस्तुनिष्ठ तथा प्रक्षेपीय विधियां) व्यक्तिगत भिन्नताएं तथा शिक्षक के लिए महत्व ।

मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान : अभिप्राय, उद्‌देश्य,अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की विशेषताएं एवं प्रभावित करने वाले कारक। मानसिक स्वास्थ्य अनुरक्षण के उपाय। सुस्थित जीवनशैली के कार्यक्रम।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो। — 25 अंक

१. किसी एक विशिष्ट बालक की विशेषताओं के अध्ययन पर आधारित प्रस्तुतीकरण।

२. नैतिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं पर आधारित प्रस्तुतीकरण।

३. किशोरावस्था की समस्याओं पर केन्द्रित व्यक्तिगत अनुभव आधारित परियोजना कार्य (वास्तविक अनुभव आधारित)

५. किसी भी इकाई, प्रकरण पर आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

१.गुप्ता, एस.पी. (२०१०) शिक्षा मनोविज्ञान शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
२.मंगल, एस.के. (२००६) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल आफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।
३. पाण्डेय के.पी. (२००५) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
४. पाण्डेय आर.एस. (१९९५) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
५. चौबे एस.पी. (१९६५) शिक्षा मनोविज्ञान, लक्ष्मी नारायन अग्रवाल एंड सन्स, आगरा।
६. जायसवाल सीताराम, भारतीय मनोविज्ञान एवं शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
७. हरलाक,ई.बी., विकासात्मक मनोविज्ञान।
८.सारस्वत मालती (१९८६) शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा, आलोक प्रकाशन, इलाहाबाद।
९.माथुर एस.एस. (१९८५) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
१०. पाठक आर.पी. (२००७) शिक्षा मनोविज्ञान–एक परिचय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
११. पाठक आर.पी. (२००९) भारतीय मनोविज्ञान, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
१२. पाठक आर.पी. (२०११) शिक्षा मनोविज्ञान, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क–नोएडा (उ.प्र.)।
१३. पाठक आर.पी.एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (२०१३) शिक्षा मनोविज्ञान के मूल तत्व, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. सिंह, अरूण कुमार (१९९५) शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन आगरा।
१५. भटनागर, सुरेश (२००५) शिक्षा मनोविज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
१६. लाल, रमन बिहारी एवं जोशी (२००७) शिक्षा मनोविज्ञान एवं प्रारंभिक सांख्यिकी
१७. लाल, रमन बिहारी, (२०१०) शिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
१८. शर्मा, आर.ए. (२००५) शिक्षण अधिगम में नवीन प्रवर्तन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
१९. लाल, रमन बिहारी, (२०१०) अधिगमकर्त्ता अधिगम एवं संज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
२०. तिवारी, गोविन्द, शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मूलाधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)

3. सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग

(Application of ICT)

कोर्स कोड = 103 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– कम्प्यूटर की अवधारणा एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराना।
– इन्टरनेट एवं ई–मेल की कार्यविधि एवं शैक्षिक उपयोग से परिचित कराना।
– कम्प्यूटर आधारित अधिगम की अवधारणाओं से अवगत कराना।
– सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी एवं सम्प्रेषण के सम्प्रत्यों से परिचित कराना।
– एम.एस. ऑफिस से सम्बन्धित शैक्षिक अनुप्रयोग की दक्षताओं का विकास कराना।

पाठ्य–वस्तु (Course Content) 75 अंक

इकाई – १ : कम्प्यूटर– अभिप्राय; घटक–इनपुट, आउटपुट, सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (C.P.U.); कार्यप्रणाली–एप्लीकेशन तथा सिस्टम सॉफ्टवेयर; कम्प्यूटर नेटवर्क–अभिप्राय, आवश्यकता एवं प्रकार (LAN, MAN&WAN); शैक्षिक उपयोगिता। **इन्टरनेट–** अभिप्राय, कार्यविधि, इन्टरनेट प्रोटोकॉल (फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल FTP एवं हाइपर टैक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल HTTP), शैक्षिक उपयोग। ई.मेल – अभिप्राय, कार्यविधि एवं शैक्षिक उपयोग।

इकाई –२ : कम्प्यूटर आधारित अधिगम– ई–अधिगम–अभिप्राय, विशेषताएँ, विभिन्न प्रारूप (अवलंब– Support, मिश्रित– Blended, सम्पूर्ण– Complete),शैलियाँ (एसिन्क्रोन्स एवं सिन्क्रोन्स सम्प्रेषण शैलियाँ) लाभ एवं दोष। कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन (CAI)– अभिप्राय, मान्यताएं, प्रयुक्त तकनीकी (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं कोर्सवेयर), एवं शैक्षिक उपयोग। कम्प्यूटर प्रबंधित अनुदेशन (CMI)– अभिप्राय एवं शैक्षिक उपयोग।

इकाई–३. उपागम एवं ई–संसाधन–टीपैक उपागम (TPACK), मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER), मूक्स (MOOCS), SWYAM, SWYAMPRABHA, अभिप्राय, विशेषताएं एवं शिक्षा में उपयोगिता।

इकाई –४ : सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी– अभिप्राय, प्रकार (परम्परागत एवं आधुनिक),शैक्षिक उपयोगिता। सम्प्रेषण – अभिप्राय, प्रक्रिया, विभिन्न माध्यम, प्रकार, बाधकतत्व। टेलीकानफ्रेंसिग– अभिप्राय, प्रकार (ऑडियो, वीडियो एवं कम्प्यूटर), लाभ।

इकाई –५ : एम.एस.ऑफिस– एम.एस. वर्ड.–अभिप्राय, विशिष्टताएं, शैक्षिक उपयोगिता, एम.एस. पावरपॉइन्ट– अभिप्राय, विशिष्टताएं, अभिकल्पन एवं प्रस्तुतिकरण, शैक्षिक उपयोगिता, एम.एस. एक्सेल–विशिष्टताएं, शैक्षिक उपयोगिता ।

सत्रीय कार्य–निम्नलिखित में से दो– **25 अंक**

१. दत्त कार्य
२. ई.मेल एवं इन्टरनेट के प्रयोग आधारित प्रायोगिक कार्य।
३. एम.एस.ऑफिस आधारित प्रायोगिक कार्य एवं वाक् परीक्षण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. P.K. Sinha and P. Sinha (2005) - Foundations of Computing
2. S. Sangamn- Microsoft Office 2000 for Windows
3. मंगल, एस.के. एवं मंगल उमा, (२००९) शिक्षा तकनीकी, प्रेन्टिस हाल, नई दिल्ली।
4. पाठक, आर.पी.,(2014) शैक्षिक तकनीकी, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. गोपाल, हेमन्त कुमार(2010) कम्प्यूटर शिक्षा, आर. लाल बुक डिपो. मेरठ (उ.प्र.)

4. विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व

(School Management and Leadership)

कोर्स कोड = 104

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– विद्यालय प्रबन्धन की अवधारणा एवं गुणवत्ता प्रबन्धन की युक्तियों के अनुप्रयोग हेतु कौशलों का विकास कराना।
– विद्यालय के भौतिक संसाधनों एवं व्यवस्था से अवगत कराना।
– विद्यालय के मानवीय संसाधनों प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों की विशेषताओं एवं दायित्वों का आधुनिक सन्दर्भ में निहितार्थ विकसित करना।
– समय–सारणी एवं पाठयकम सहगामी क्रियाओं के नियोजन से सम्बन्धित कौशलों का विकास कराना।
– विद्यालय के विभिन्न अभिलेख एवं पंजिकाओं के रखरखाव की व्यावहारिक परिस्थितियों में आवश्यकता एवं महत्त्व का अवबोध कराना।
– पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण की अवधारणा एवं उनके आधार पर व्यावहारिक परिस्थितियों को बेहतर बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई – १ : विद्यालय प्रबन्धन की अवधारणा एवं गुणवत्ता का सम्प्रत्यय तथा सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM) NCERT एवं NIEPA, केन्द्र एवं राज्य स्तरीय शिक्षा बोर्ड एवं शिक्षा निदेशालय, CBSC बोर्ड, ISC बोर्ड।

इकाई – २ : विद्यालय प्रबन्धन – प्रबन्धन एवं प्रशासन में अन्तर, प्रबन्धन की युक्तियाँ– नियोजन, आयोजन, नेतृत्व, अभिप्रेरणा एवं नियन्त्रण वृहद एवं सूक्ष्म स्तर पर। विद्यालय के भौतिक संसाधन– विद्यालय भवन एवं प्रकार, कक्षा कक्ष तथा फर्नीचर और उसकी व्यवस्था। वर्तमान सन्दर्भ में आधारभूत भौतिक संरचना का महत्व एवं उपयोग।

इकाई – ३ : विद्यालय के मानवीय संसाधन : प्रभावी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों की विशेषताएं एवं दायित्व। शैक्षिक नेतृत्व की अवधारणा एवं प्रकार– रूपान्तरणकारी एवं क्रियान्वितिकारी नेतृत्व–विशेषताएं एवं प्रारूप।

इकाई – ४ : विद्यालय व्यवस्था में रणनीतिक नियोजन, क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं नियन्त्रण की युक्तियाँ।

इकाई – ५ : विद्यालय में विभिन्न अभिलेख एवं रजिस्टरों की आवश्यकता, महत्त्व एवं रखरखाव, अनुशासन, पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण की अवधारणा, प्रकार एवं उपादेयता

सत्रीय कार्य–

25 अंक

१. विद्यालय का पार्श्वचित्र तैयार करना।
२. विश्लेषणात्मक अध्ययन आधारित प्रतिवेदन प्रस्तुति
३. विद्यालय के विभिन्न अभिलेखों में से किसी एक का विश्लेषण के आधार पर उपयोग

अध्येय ग्रन्थ–

1. मिश्र, भास्कर, (1995) विद्यालय व्यवस्था, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जोशी, रजनी, (1997) विद्यालय में प्रशासन एवं प्रबन्ध, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहबाद।
3. सुखिया, एस.पी., (2000) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)।
4. पाठक, आर.पी. एवं गुप्ता शैलजा (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शर्मा, आर.ए. (2005) शिक्षा तकनीकी के तत्व एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
6. वर्मा, जे.पी. (2000) विद्यालय प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
7. शर्मा, आर.ए. (1995) शिक्षा प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
8. शर्मा, वी.एस. (1998) विद्यालय प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
9. भटनागर, सुरेश (1998) शैक्षिक प्रबन्धन और शिक्षा की समस्यायें, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
10. शर्मा एवं सक्सेना (2010) शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

कोर्स कोड = 105 5. शास्त्र शिक्षण

निर्देश : इस कोर्स का उत्तर संस्कृत माध्यम से लिखना अनिवार्य है।

उद्देश्य (Objectives) –

1. विविध शास्त्रों के स्वरूप, महत्त्व एवं उपयोगिता को बताते हुए संस्कृत शास्त्रों के अध्ययन में रूचि जागृत करना।
2. शास्त्रों की विविध विधाओं के अध्यापन हेतु परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षणविधियों का ज्ञान कराना।
3. शास्त्र शिक्षण की पाठयोजना निर्माण में प्रवीणता उत्पन्न करना।
4. शास्त्रों के शिक्षण को रोचक एवं नवीनतम स्वरूप प्रदान करने हेतु दृश्य-श्रव्य साधनों एवं कौशलों के प्रयोग की प्रवीणता की जानकारी देना।
5. विविध शास्त्रों में वर्णित विषयवस्तु के शिक्षण द्वारा नैतिक, चारित्रिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का परिचय प्रदान करना।

निर्देश : निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन करें।

5-I ज्योतिष-शिक्षण

(Teaching of Astrology)

कोर्स कोड = 124 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई — १ : ज्योतिष-शिक्षण का स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य।

इकाई — २ : नैदानिक परामर्श में ज्योतिष शास्त्र की भूमिका

इकाई — ३ : अध्यापन को प्रभावी बनाने हेतु सहायकोपकरण का प्रयोग।

इकाई — ४ : ज्योतिष-शिक्षण के प्रतिमान : यात्रा मुहूर्त्त, विवाह मुहूर्त, सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण

इकाई — ५ : ज्योतिष-शिक्षण की विधियां: आगमन-निगमन, विश्लेषण-संश्लेषण, ह्यूरिस्टिक, एवं परियोजना-विधि, प्रश्नोत्तर विधि, पाठयोजना निर्माण, नवप्रयोग एवं मूल्यांकन

सत्रीय **कार्य**- 25 अंक

१. दत्त कार्य

२. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

5-II साहित्य-शिक्षण

(Teaching of Literature)

कोर्स कोड = 124 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई — १ : साहित्य-शिक्षण का स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य।

इकाई — २ : भाषा, विषयवस्तु, अलंकार, कल्पना, सौन्दर्यानुभूति।

इकाई — ३ : रसानुभूति में रस, छन्द एवं अलंकार की उपयोगिता।

इकाई — ४ : साहित्य-शिक्षण की विधियाँ : पारम्परिकविधि, व्याख्याविधि, टीकाविधि, स्वाध्याय विधि क्रीडा-विधि, खण्डान्वय-दण्डान्वयविधि।

इकाई — ५ : पाठयोजना निर्माण। नवाचार -

सत्रीय कार्य- 25 अंक

१. दत्त कार्य

२. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

5-III दर्शन-शिक्षण

(Teaching of Philosophy)

कोर्स कोड = 124 (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई — १ : भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन का सम्प्रत्यय

इकाई — २ : दर्शन-शिक्षण का महत्त्व एवं उद्देश्य, विधियां: विकासविधि, कथा विधि, इतिहासविधि, समस्याविधि, निदर्शनविधि, स्वाध्याय, व्याख्याविधि।

इकाई — ३ : दर्शन एवं सामाजिक विकास, दार्शनिक परामर्श, सामाजिक मुद्दों के संदर्भ में दर्शन।

इकाई — ४ : दर्शन शिक्षण में शिक्षण-अधिगम सामग्री, दूरस्थ शिक्षा में दर्शन

इकाई — ५ : दर्शन शिक्षण की पाठयोजना, रचना एवं प्रस्तुति।

सत्रीय कार्य- 25 अंक

१. दत्त कार्य

२. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

5-IV व्याकरण-शिक्षण

(Teaching of Vyakarana)

कोर्स कोड = 124 (iv) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१: व्याकरण शास्त्र शिक्षण का इतिहास, स्वरूप एवं उद्देश्य।

इकाई-२: व्याकरण-शिक्षण में कण्ठस्थीकरण का महत्त्व एवं उच्चारण प्रशिक्षण।

इकाई-३: व्याकरण-शिक्षण की विधियां- पारम्परिक, आगमन-निगमन, ह्यूरिस्टिक एवं प्रायोजना विधि।

इकाई-४: व्याकरण-शिक्षण में दृश्य-श्रव्योपकरण का प्रयोग (चित्र एवं रेखाचित्र) प्रायोगिक व्याकरण (Functional Grammar)

इकाई-५: भाषाप्रयोगशाला तथा व्याकरण-शिक्षण में संगणक का प्रयोग, पाठयोजना निर्माण।

सत्रीय कार्य- 25 अंक

१. दत्त कार्य

२. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

5-V वेद-शिक्षण

(Teaching of Veda)

कोर्स कोड = 124 (v) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१ : वेदों का महत्त्व, शिक्षणोद्देश्य, वेदों के मूलपाठों को कण्ठस्थ करने की पारम्परिक पारायणविधि एवं आधुनिकविधि।

इकाई-२ : स्वाध्याय की आवश्यकता।

इकाई-३ : वेदों के मूल पाठों के व्याख्यान में मीमांसा-कल्पसूत्र-निरूक्त आदि का महत्त्व।

इकाई-४ : वेदों के प्राचीन एवं नवीन व्याख्याकारों की समीक्षा।

इकाई-५ : पाठयोजना निर्माण।

सत्रीय कार्य- 25 अंक

१. दत्त कार्य

२. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

5-VI कर्मकाण्ड-शिक्षण

(Teaching of Karmkanda)

कोर्स कोड = 124 (vi) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१ : महत्त्व एवं उद्देश्य।

इकाई-२ : क्रिया द्वारा अधिगम।

इकाई-३ : ह्यूरिस्टिकविधि, क्रीड़ाविधि एवं प्रायोजनाविधि।

इकाई-४ : अध्यापन की सुगमता के लिए चित्र, रेखाचित्र एवं अन्य दृश्य-श्रव्योपकरणों का प्रयोग।

इकाई-५ : वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग

सत्रीय कार्य- 25 अंक

३. दत्त कार्य

४. पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण

अध्येय ग्रन्थ–

1. प्रमेय पारिजान, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ।
2. सर्वदर्शनसमन्वय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ।
3. शास्त्री पी.एन, (1995) दर्शन शिक्षण, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर।
4. सफ़ाया, आर.एन., (1985) संस्कृतशिक्षण, हरियाण ग्रन्थ अकादमी,चंडीगढ, हरियाणा
5. पाण्डेय, आर.एस., (1995) संस्कृतशिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उ.प्र.
6. उपाध्याय, बी.के.एवं देवनाथन आर., (1995) व्याकरण शिक्षण विधि, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी, उ.प्र.
7. झा, नागेन्द्र, (2000) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक्र शिक्षा पद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, दिल्ली
8. मिश्र, लोकमान्य, (2005) साहित्यशिक्षणम्, लोकमान्य प्रकाशन, लखनऊ
9. झा, नागेन्द्र, (2013) ज्योतिषशिक्षाम्, अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली
10. उपाध्याय, बी.के.एवं मिश्र, घनश्याम, (2000) साहित्यशिक्षणपद्धति, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी, उ.प्र.
11. मिश्र, भास्कर, (2010) वैदिक शिक्षा पद्धति, महर्षि सन्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन
12. पाठक, आर.पी., (2010) प्राचीन भारतीय शिक्षा कनिष्का प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
13. पाठक, आर.पी., (2010) भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष — कुल अंक 600

द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप — क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
121	6	शिक्षण अधिगम की तकनीकी (Technology of Teaching Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
122	7	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
123	8	शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research in Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
124	9	संस्कृत शिक्षण (Teaching of Sanskrit)	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
125	10	अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण (कोई एक) (Teaching of other school subject-Any one)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
125-(i)	10 I	अंग्रेजी शिक्षण (Teaching of English)					
125-(ii)	10 II	हिंदी शिक्षण (Teaching of Hindi)					
125-(iii)	10 III	सामाजिक अध्ययन शिक्षण (Teaching of Social Studies)					
125-(iv)	10 IV	गणित शिक्षण (Teaching of Mathematics)					
125-(v)	10 V	अर्थशास्त्र/इतिहास/भूगोल/राजनीति विज्ञान शिक्षण (Teaching of Economics /History/ Geography/Political Science)					
131		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक (ई.पी.सी. सहित)	100	04	08	160
(i)		शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण (Improvising Teaching-learning Materials)		20			
(ii)		ब्लू प्रिंट निर्माण (Construction of Blue Print)		20			
(iii)		संस्कृत शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण (Presentation of Lesson Plans based on Sanskrit Teaching)		20			
(iv)		अन्य विषय शिक्षण पर आधारित पाठयोजना निर्माण एवं अनुरूपित रूप में प्रस्तुतिकरण (Preparation and Presentation of Lesson Plans based on other Subject Teaching in Simulated Way)		20			
(v)		दो सप्ताह के विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम आधारित विमर्शी प्रतिवेदन निर्माण (Preparation of Reflective Report based on Two Weeks School Attachment Programme)		20			
132		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% (उपस्थिति) Attandance	
(i)		स्लोगन लेखन प्रतियोगता (Slogan Writing competetion)					
(ii)		स्वच्छता अभियान परिसर आधारित (Campus based Cleanliness Drive)					
(iii)		नुक्कड़ नाटक (Street Play)					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					
(v)		क्रीड़ा एवं खेल-कूद (Sports & Games)					

6. शिक्षण अधिगम की तकनीकी
(Technology of Teaching-Learning)

कोर्स कोड = 121 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– शिक्षण की अवधारणा, चर प्रकार एवं सूत्रों का शिक्षण की व्यावहारिक परिस्थितियों में निहितार्थ समझना।
– शिक्षण की अवस्थाओं एवं स्तरों का शैक्षणिक परिस्थितियों में अनुप्रयोग हेतु कौशल विकास सुनिश्चित करना।
– शिक्षण के प्रतिमानों एवं उसके आधारभूत घटकों के उपयोग हेतु दक्षता विकसित करना।
– शिक्षण के विविध रचनाकौशलों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
– शैक्षिक तकनीकी एवं उससे सम्बन्धित स्वरूपों के अनुप्रयोग में दक्षता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : शिक्षण की अवधारणा– अभिप्राय, विशेषताएँ, चर तथा प्रकार्य, विभिन्न रूप–अनुबन्धन, प्रशिक्षण, अनुदेशन एवं मतारोपण तथा इनमें अन्तर, अनुसिद्धान्त, सूत्र, अधिगम की अवधारणा एवं उसका शिक्षण से सम्बन्ध।

इकाई – २ : शिक्षण की अवस्थाएं एवं स्तर– अवस्थाएं – शिक्षण से पूर्व, शिक्षण के समय और शिक्षण के बाद (अभिप्राय, विशेषताएं एवं संक्रियाओं के सन्दर्भ में) तथा इनमें अन्तर। **स्तर**–स्मृति; अवबोध एवं विमर्शी स्तर (अभिप्राय, अन्तर्निहित अधिगम सिद्धान्त, शिक्षण तथा परीक्षण सम्बन्धी रचनाकौशल के सन्दर्भ में) तीनों में अन्तर।

इकाई – ३ : शिक्षण के प्रतिमान– अभिप्राय, आधारभूत तत्त्व, आवश्यकता, प्रकार–सामाजिक अन्तर्क्रिया स्रोत, सूचना प्रक्रिया स्रोत, व्यक्तिगत स्रोत एवं व्यवहार परिवर्तन स्रोत के आधार पर। कुछ महत्वपूर्ण शिक्षण प्रतिमान– आधारभूत शिक्षण प्रतिमान, सम्प्रत्यय सम्प्राप्ति प्रतिमान (आग्रहण एवं चयन प्रतिमान) तथा पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान।

इकाई – ४ : शिक्षण रचना कौशल एवं युक्तियाँ– अभिप्राय, अन्तर एवं प्रकार–प्रभुत्ववादी (व्याख्यान, प्रदर्शन, अनुवर्गशिक्षण, टीम शिक्षण एवं अभिक्रमित अधिगम) और जनतान्त्रिक (परिचर्चा, परियोजना, विचारावेश, दत्त कार्य एवं भूमिका निर्वाह), सूक्ष्म शिक्षण– अभिप्राय, उद्देश्य, प्रक्रिया, अवस्थाएं, लाभ एवं सीमाएं। अनुरूपित शिक्षण–अभिप्राय, उद्देश्य, प्रक्रिया, लाभ एवं सीमाएं।

इकाई – ५ : शैक्षिक तकनीकी– अभिप्राय, उद्देश्य, उपागम– कठोरतन्त्र, कोमलतन्त्र एवं प्रणाली उपागम, शिक्षण अधिगम में अनुप्रयोग, विभिन्न रूप– शिक्षण तकनीकी, अनुदेशनात्मक तकनीकी एवं व्यवहारजन्य तकनीकी। अनुदेशनात्मक उद्देश्य–अभिप्राय, वर्गीकरण एवं उनका लेखन।

सत्रीय कार्य–निम्नलिखित में से कोई दो– 25 अंक

१. इकाई आधारित व्यष्टिपरक दत्त कार्य।
२. शिक्षण प्रतिमान आधारित पाठयोजना निर्माण।
३. व्यूहरचना आधारित प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
४. इकाई ४–५ के लिये निर्धारित शीर्षकों पर चयनित रचना कौशलों एवं शैक्षिक तकनीकी के माध्यमों पर आधारित प्रस्तुतियां एवं उनपर समीक्षात्मक चर्चा।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाठक एवं उपाध्याय, शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान अभिषेक प्रकाशन पीतमपुरा, दिल्ली
2. पाठक, आर.पी., शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, राधा प्रकाशन, अंसरी रोड, दरियागंज दिल्ली
3. पाठक, आर.पी. (2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क-नोएडा (उ.प्र.)
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (201) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाठक, आर.पी. (2011) एजुकेशनल टेक्नोलाजी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क-नोएडा (उ.प्र.)
6. पाण्डेय, के.पी. (1992) अभिक्रमित अधिगम की टेक्नोलाजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)
7. शर्मा, आर.ए. (2000) शिक्षा तकनीकी के आधार, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

8. सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (1995) शिक्षण की तकनीकी, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)
9. शर्मा, आर.ए. (2005) सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीक, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
10. पाठक, रमेश प्रसाद (2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., नई दिल्ली
11. भटनागर, ए.बी. (2010) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

7. अधिगम आकलन
(Assessment of Learning)

कोर्स कोड = 122 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

इकाई-१. मापन, आकलन एवं मूल्यांकन -मापन - सम्प्रत्यय, स्तर (नामित, क्रमित, अन्तरित, अनुपातिक), आकलन - सम्प्रत्यय, मान्यताएँ (रचनावादी परिप्रेक्ष्य में), मूल्यांकन - सम्प्रत्यय, प्रकार (स्थानन, संरचनात्मक, निदानात्मक, योगात्मक), मापन, आकलन एवं मूल्यांकन में सम्बन्ध तथा सम्प्रत्ययात्मक दृष्टि से अन्तर, सतत व्यापक मूल्यांकन - अवधारणा एवं महत्व।

इकाई-२. अधिगम हेतु आकलन- अवधारणा, उपयोग, प्रक्रिया, शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy एवं अद्यतन विकास), ज्ञानात्मक, भावात्मक, मनोचालक क्षेत्र - अभिप्राय, स्तर, क्रियाएँ, अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का स्पष्टीकरण एवं व्यवहारपरक लेखन, पूर्व-ज्ञान की जाँच एवं अधिगम हेतु उपयुक्त कार्ययोजना का निर्धारण, रचनावादी परिप्रेक्ष्य में अधिगम आकलन (5E Model तथा Jonnesan's Model)

इकाई-३. अधिगम के आकलन हेतु उपकरण एवं उनकी उपयुक्तता- अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व, आकलन तकनीकें - अवलोकन, स्व-आख्या, परीक्षण, सहपाठी आकलन, आकलन उपकरण - परीक्षण, अनुसूची, प्रश्नावली, निर्धारण मापनी, Anecdotal Record, नियत कार्य एवं निष्पादन मूल्यांकन, NRT (मानक संदर्भित परीक्षण), CRT (निकष संदर्भित परीक्षण) - अभिप्राय एवं दोनों में अन्तर, Portfolio & Profile - अभिप्राय एवं विशेषताएँ

इकाई-४. परीक्षण निर्माण एवं प्रशासन- उपलब्धि परीक्षण - अभिप्राय, प्रकार (निबन्धात्मक, वस्तुनिष्ठ, प्रमापीकृत, अप्रमापीकृत परीक्षण), परीक्षण निर्माण - योजना बनाना, ब्लू प्रिंट निर्माण, पद लेखन (चयनित अनुक्रिया एवं संरचित अनुक्रिया के संदर्भ में), पंद लेखन में सावधानियाँ, प्रश्नपत्र निर्माण, अच्छे परीक्षण के गुण - संतुलन, वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता, वैधता, कठिनता स्तर, विभेदकता, परीक्षण प्रशासन - सोपान, सावधानियाँ, परीक्षण प्रशासन एवं आख्या तैयार करना

इकाई-५. प्राप्तांकों का विश्लेषण एवं प्रतिपुष्टि- प्राप्ताकों का सांख्यिकीय विश्लेषण- केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान, मानक विचलन, NPC का अभिप्राय एवं उपयोग, प्राप्तांकों के निर्वचन हेतु प्रयुक्त विधियाँ, मानक संदर्भित परीक्षण (NRT) एवं निकष संदर्भित परीक्षण (CRT) के सन्दर्भ में, ग्रेडिंग प्रणाली - अवधारणा, सापेक्षिक एवं निरपेक्ष ग्रेडिंग, ग्रेड बिन्दु औसत की गणना (SGPA & CGPA), प्रतिपुष्टि - अभिप्राय, उद्देश्य, प्रतिपुष्टि की योजना एवं अन्तर्वस्तु, निर्माणात्मक एवं संकलनात्मक मूल्यांकन प्रविधियाँ एवं उपयोग, विद्यार्थी पार्श्वचित्र (Student Profile) का विकास

सत्रीय कार्य (कोई दो) **२५ अंक**

- सतत व्यापक मूल्यांकन (लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण)

- अधिगम हेतु आकलन की योजना तैयार करना (माध्यमिक स्तरीय विषय सम्बन्धी किन्ही दो पाठों के लिए)
- प्राप्तांकों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं ग्रेड निर्धारण
- कक्षा परीक्षण

अध्येय ग्रन्थ–

1. गुप्ता, एस.पी., (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. अस्थाना, विपिन, (1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. भार्गव, महेश, (1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।
4. पाण्डेय, के.पी., (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. पाठक, आर.पी. (2013) शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन में मनोवैज्ञानिक परीक्षण, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
6. लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़ सुनीता (1995) शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
7. शर्मा, आर.ए. (1990) शैक्षिक एवं मानसिक मापन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
8. भटनागर, ए.वी. (2000) शैक्षिक एवं मानसिक मापन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
9. MehtaVI, First Mental Measurement Handbook for NCERT, New Delhi. The concept of Evaluation in Education, NCERT, New Delhi.
10. Edward, (1969) Technique of Attitued Scale Construcation Valkcils Felhter and Simmon Pvt. Ltd. Bombay.
11. Thorndike And Hagen , (1970) Measurement of Evaluation in Psychology and Education: Wiley Easten Pvt. Ltd., New Delhi.
12. Bloom et.al., (1956) Taxonomy of Education Objectives, Hand Book I David Mc kay Company New Delhi.
11. Simpson, (1988) The Classification of Education Objectives, Pyschlomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
12. Ebel, (1965) Measuring Educational Achievement, Prentice Hall, New Delhi
13. Freeman, (1965) Theory and Practics of Psychological testing, Oxford IBH Publishing Co., New Delhi,
14. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washingon, D.C, U.S.
15. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi
16. UGC Examination Reform: A Plan of Action-1992, Govt. of India, New Delhi

8. शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान
(Action Research in Education)

कोर्स कोड = 123
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– शैक्षिक अनुसंधान के विभिन्न स्वरूपों की अवधारणा से परिचित कराना।
– क्रियात्मक अनुसंधान के प्रकारों एवं आवश्यकता से अवगत कराना।
– क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया में अन्तर्निहित सोपानों के प्रयोग का अवबोध विकसित कराना।
– क्रियात्मक अनुसंधान के परिणामों को सांख्यिकी एवं अन्य उपयुक्त विधियों द्वारा विश्लेषित करने की क्षमता का विकास कराना।
– क्रियात्मक अनुसंधान में परियोजना निर्माण, क्रियान्वयन एवं प्रतिवेदन लेखन क्षमता का विकास कराना।

पाठ्य–वस्तु (Course Content)

75 अंक

इकाई – १ : शैक्षिक अनुसंधान– अवधारणा एवं विभिन्न स्वरूप– मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसंधान (अभिप्राय, उद्देश्य एवं सीमाएं) तथा तीनों में अन्तर। क्रियात्मक अनुसंधान– विशेषताएं, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, महत्व एवं क्षेत्र।

इकाई – २ : क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता एवं अनुप्रयोग– विद्यालय, कक्षा एवं शिक्षकों के सन्दर्भ में। क्रियात्मक अनुसंधान के प्रकार– व्यक्तिगत, प्रतिभाग आधारित, विद्यालय एवं जनपद स्तरीय।

इकाई – ३ : क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया– समस्या को पहचानना, समस्या का परिभाषीकरण एवं सीमांकन, सम्भावित कारणों का पता लगाना, क्रियात्मक परिकल्पना निर्माण, क्रियात्मक परिकल्पना के क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना विकास एवं परिणाम मूल्यांकन। **क्रियात्मक अनुसन्धान अभिकल्प–** विशेषताएं, संरचनात्मक घटक, प्रकार–व्यावहारिक एवं प्रतिभाग आधारित तथा उनमें अन्तर एवं समानताएं।

इकाई – ४ : क्रियात्मक अनुसंधान में प्रयुक्त सांख्यिकी– प्रदत्तों का रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण (वृत्तारेख, स्तम्भारेख, स्तम्भाकृत्ति, संचयी आवृत्ति वक्र एवं संचयी प्रतिशत वक्र) केन्द्रवर्ती मानों के वर्गीकृत एवं अवर्गीकृत प्रदत्तों की गणना विधि (मध्यमान,मध्यांकमान एवं बहुलांकमान)

प्रामाणिक विचलन (अवर्गीकृत एवं वर्गीकृत) की गणना, सहसम्बन्ध– अभिप्राय, प्रकार, सहसम्बन्ध गुणांक एवं स्पीयरमैन अनुस्थिति अन्तर विधि द्वारा गणना।

इकाई – ५ : क्रियात्मक अनुसंधान परियोजना निर्माण– प्रारूप, अपेक्षित सावधानियाँ, महत्त्वपूर्ण बिन्दु, विद्यालयीय परिस्थितियों में प्रयोग।

क्रियात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन– आवश्यकता, घटक, प्रारूप, अपेक्षित सावधानियाँ, विद्यालय परिस्थिति से सम्बन्धित किसी क्रियात्मक अनुसंधान की परिस्थिति की समस्या पर प्रतिवेदन लेखन।

सत्रीय कार्य–निम्नलिखित में से दो सत्रीय कार्य पूर्ण करें–

25 अंक

१. दत्त कार्य
२. किसी विद्यालयीय समस्या पर आधारित प्रतिवेदन लेखन।
३. किसी प्रदत्त आधार सामग्री पर सांख्यिकी विधियों द्वारा परिणाम मूल्यांकन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सक्सेना एन.आर, स्वरूप एवं ओबराय, एस.सी., (1996) शिक्षण की तकनीकी, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ (उ.प्र.)
2. रूहेला, एस.पी., (1973) शिक्षण तकनीकी, राज प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सुखिया, एस.पी., (1985) शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.
4. तिवारी, गोविन्द, (1990) शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मूलाधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उ.प्र.।
5. पाठक एवं उपाध्याय, (2005) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान अभिषेक प्रकाशन पीतमपुरा, दिल्ली।
6. पाठक, आर.पी., (2007)शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली।
7. भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2014) विद्यालयीय शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान, आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. पाठक, आर.पी.एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़ सुनीता (2000) शैक्षिक मूल्यांकन एवं क्रियात्मक अनुसंधान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
10. मिश्रा, सन्ध्या (2015) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान मापन एवं मूल्यांकन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. संस्कृत शिक्षण

(Teaching of Sanskrit)

कोर्स कोड = 124 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

निर्देश **इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत माध्यम से लिखना अनिवार्य है।**

उद्देश्य (Objectives) –

- संस्कृतभाषा के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक महत्त्व से परिचित कराना।
- शिक्षण के विभिन्न स्तरों पर संस्कृत भाषा शिक्षण के महत्त्व, उसकी आवश्यकता को प्रतिपादित कराना।
- संस्कृत भाषा शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए विविध शिक्षणकौशलों के प्रयोग में दक्षता उत्पन्न कराना।
- संस्कृत भाषा की विविध विधाओं के अवबोध हेतु प्रभावी शिक्षण विधियों का ज्ञान एवं पाठयोजनाओं के निर्माण की योग्यता उत्पन्न कराना।
- संस्कृत भाषा शिक्षण में रूचि हेतु दृश्य-श्रव्य, साधनों, पाठ्यसहगामी क्रियाओं के प्रयोग की दक्षता उत्पन्न कराना।
- मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत कराना।

पाठ्य—वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई-१: संस्कृतभाषा का महत्त्व - संस्कृत भाषा का उद्‌भव एवं विकास। संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक महत्त्व। संस्कृत भाषा का अन्य भाषाओं के साथ संबंध। मूल्य शिक्षा के सन्दर्भ में संस्कृत। आधुनिक भारत में संस्कृत अध्यापन का महत्त्व। पाठ्यक्रम में संस्कृतभाषा का स्थान एवं त्रिभाषा सूत्र। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य।

इकाई-२: (क) संस्कृत भाषा विज्ञान-स्वनिम स्वर विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान: संक्षिप्त परिचय एवं चयनित प्रकरणों पर भाषा प्रयोगशाला की सहायता से अभ्यास।

(ख) **संस्कृतशिक्षण की विधियां**- परम्पराविधि, भण्डारकरविधि, मौखिकविधि, प्रत्यक्षविधि, पाठ्यपुस्तकविधि, आगमन-निगमनविधि, समाहारविधि (प्रत्येक विधि की सोदाहरण प्रस्तुति एवं समीक्षात्मक विवरण)

इकाई-३: संस्कृत शिक्षण की विभिन्न विधाओं का शिक्षण- उच्चारण, गद्य, पद्य, व्याकरण, नाटक, रचना, अनुवाद इनका स्वरूप, शिक्षण उद्देश्य, शिक्षणविधियां, रचनावादी उपागम पर आधारित पाठयोजना तथा इकाई योजना, पाठयोजना। (विद्यालय पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में), उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तरीय निर्धारित पाठ्यक्रम से चयनित पाठ पर आधारित शिक्षण।

इकाई-४: संस्कृतशिक्षण में नवाचार- संस्कृतशिक्षण में दृश्य-श्रव्योपकरणों का प्रयोग और नये प्रयोग(ई-अधिगम) संस्कृतशिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएं। भाषा क्रीडाएं, वाद-विवाद, गोष्ठी, अन्त्याक्षरी, संगोष्ठी एवं अन्य क्रियाएं। संस्कृत-पाठ्यपुस्तक- उद्देश्य, रचनासिद्धान्त, गुण, संस्कृतपाठ्यपुस्तकों में सम्प्रेषणोपागम, संरचनात्मक उपागम।

इकाई-५: संस्कृत शिक्षण में परीक्षा एवं मूल्यांकन- शलाका परीक्षा, विवेचनात्मक शक्ति परीक्षा, सामान्य विवेक परीक्षा, योग्यता परीक्षा एवं नवीन परीक्षा प्रविधियां।

सत्रीय कार्य-

25 अंक

1. संस्कृत के विविध स्तरीय पाठ्यक्रम का विश्लेषण।
2. संस्कृत वार्ता पत्रिकाओं का संकलन।
3. संस्कृत वार्ता में उच्चारण, शब्द चयन एवं संवाद।
4. भाषा प्रयोगशाला आधारित उच्चारणाभ्यास तथा संस्कृतवार्ता- विविध संदर्भों में।
5. संस्कृत की विभिन्न विधाओं पर पाठयोजना का निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सफाया, आर.एन. (1990) संस्कृतशिक्षण, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, चडीगढ हरियाणा
2. पाण्डेय, आर.एस., (1995) संस्कृतशिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (उ.प्र.)
3. द्विवेदी, वाचस्पति, (1985) संस्कृतशिक्षणविधि, सुशील प्रकाशन, पटना बिहार
4. शर्मा च.ल.ना. एवं सिंह फतेह, (1997) संस्कृतशिक्षणम्–नवीनप्रविधयश्च, आदित्य प्रकाशनम् जयपुर।
5. झा, नागेन्द्र, (1995) वैदिकशिक्षापद्धति एवं आधुनिक शिक्षापद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, दिल्ली।
6. आप्टे, डी.जी एण्ड डोगरे, पी.के., (1990) टीचिंग ऑफ संस्कृत इन सेकण्डरी स्कूल।
7. मित्तल, संतोष, (1997) संस्कृतशिक्षण, लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
8. सिंह, कर्णी, (1990) संस्कृतशिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
9. उपाध्याय, भुवनेश, (1995) संस्कृतशिक्षणम्, भारतीय विद्या प्रकाशन जगतगंज, वाराणसी (उ.प्र.)।
10. शर्मा मुरलीधरः, (1995) संस्कृतशिक्षणसमस्याः राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् तिरूपतिः (आन्ध्र प्रदेश)।
11. मिश्र लोक मान्य, (1997) भारतीया पुरातनी शिक्षा, विरामखण्ड, गोमती नगर लखनऊ (उ.प्र.)।
12. मिश्रा, सन्त कुमार, (2000) संस्कृत शिक्षण, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

कोर्स कोड = 125

10. अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण

निर्देश : निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन करें।

10.I Teaching of English

कोर्स कोड = 125 (i) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

Objectives-

The student teacher will be able to-

- acquaint with the nature & aims of teaching English.
- familiarise with approaches & method of teaching English.
- acquaint with the teaching of various lessons of English.
- prepare the lesson plan of various lessons of English.
- tell the use of various instructional aids in English teaching.
- develop skills of evaluation of various lessons in English.

Course Content- 75 Marks

Unit- I : Nature of English Language – (a) Meaning & function of Language, Linguistic Principles, Importance of English Language, Present position of English in School Curriculum. Aims & Objectives of teaching English: at High Primary, Secondary & Higher Secondary Levels. Behavioural Objectives: Meaning & Writing behavioural Objectives for Prose, Poetry & Grammar lessons.

(b) Introduction to English Phonology, Morphology & Syntax. Phonology- Consonants & Vowels in English. Suprasegmental Phonems stress, pitch and juncture. Morphology Derivational & Inflectional Morphemes Syntax- Basic Sentence Pattern, Derived or Transformed sentences in Engling- Rules of transformation & derivation of English sentence Pattern.

Unit- II : Approaches & Methods of teaching English- Meaning & their differences. **Approaches-** Situational, Structural & Communicative **Methods-** Translation, Direct & Bilingual

Unit- III: Teaching of Various Lessons in English- Teaching of Prose, Poetry, Grammar, Composition, Reading & Writing (Based on school curriculum)

Unit- IV: Lesson Planning & Teaching Learning Material- Meaning, Importance, Formats for various types of Lessons in English viz. Prose, Poetry, Grammar, Composition. Teaching Learning Material - Meaning, Importance, Precaution, Use of aids in English- Black Board, Flannel Board, Pictures, Charts, Model, Tape recorder, Record Player, TV, OHP & Language Laboratory.

Unit- V: Evaluation in English Teaching- Concept of Evaluation, Measurement & Testing. Different Types of Questions- Objective, Short Answer and Essay type (Meaning, characteristics, Types & their Construction), Characteristics of a good test for measuring learning outcomes in English,

Sessional Work: Any two of the following- **25 Marks**

1. Preparing lesson plan on any one topic related to prose, poetry & grammar.
2. Preparing Teaching Learning material for teaching any topic in various lessons of English.
3. Developing communication skills in English.
4. Practice on selected difficult sound pattrens in Engling with Language Lab.

Sugggested Readings:

1. Sachdeva, M.S. (2003) Teaching of English In India, Tandon Publication, Ludhiana
2. Pandey, K.P., Pandey Bhardwaj Amita (1996) Teaching of English in India, Vishwavidyalaya Prakashn, Chowk, Varanasi.
3. Jain R.K, Sharma (2005) Essentials of English, Vinod Pustak Mandir, Agra
4. Kohli A.L. (1996) Techniques of Teaching English, Dhanpat Rai & sons, Nai Sarak, New Delhi
5. Sharma Kusum (2007) A Hand Book of English Teaching, Radha Prakashn Mandir, Agra
6. Rai, Geeta (1995) Teaching of English, R.Lal Book Depo, Meerut
7. Sharma, R.A. (2000) Teaching of English, R.Lal Book Depo, Meerut

10.II हिन्दी शिक्षण

(Teaching of Hindi)

कोर्स कोड = 125 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- हिन्दी भाषा का महत्त्व तथा उसके उद्देश्यों से अवगत कराना।
- साहित्यिक विधाओं के शिक्षण के लिए विधियों, प्रविधियों एवम दृश्य श्रव्य सामग्री का चयन, निर्माण प्रयोग करने योग्य बनाना
- उच्चारण एवं वर्तनी से सम्बन्धित दोषों की पहचान करना तथा सुधारात्मक युक्तियों के अनुप्रयोग की योग्यता विकसित करना।
- हिन्दी भाषा शिक्षण कीं विधाओं की पाठ योजना निर्माण से सम्बन्धित दक्षता का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१: हिन्दी भाषा की अवधारणा, उद्गम एवं विकास के परिप्रेक्ष्य में, उद्देश्य, महत्त्व एवम् पाठ्यक्रम में स्थान।

इकाई-२: भाषा कौशल का विकास– (क) वाचन एवम लेखन शिक्षण– वाचन–अभिप्राय, भेद–सस्वर वाचन एवम मौन वाचन द्रुत वाचन के उद्देश्य एवम शिक्षण। लेखन शिक्षण–अभिप्राय, सुलेख, अनुच्छेद, श्रुतलेख।

(ख) हिन्दी भाषा विज्ञान– ध्वनि विज्ञान,रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान। ध्वनि–हिन्दी की ध्वनियॉं, एवं विशेषताएँ।

इकाई-३: पाठ्यपुस्तक एवम् दृश्य श्रव्य उपकरण। पाठ्यपुस्तक : आवश्यकता, उद्देश्य, आन्तरिक एवं बाह्य गुण। दृश्य श्रव्य उपकरण, आवश्यकता, महत्त्व प्रयोग एवम नवाचार।

इकाई-४: हिन्दी की विधाओ/पाठों का शिक्षण हिन्दी विधाओं– गद्य; पद्य, व्याकरण, नाटक, निबन्ध का स्वरूप शिक्षण। उद्देश्य, शिक्षण विधियां तथा पाठ योजना रचनावादी उपागम पर आधारित पाठयोजना तथा (विद्यालय पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में), उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तरीय निर्धारित पाठ्यक्रम से चयनित पाठ पर आधारित शिक्षण।

इकाई-५: हिन्दी साहित्य में रूचि उत्पन्न करने के साधन–कवि सम्मलेन, कविगोष्ठी, विद्यालय पत्रिका। भित्ति पत्रिका, अभिनय, वाद विवाद, अन्त्याक्षरी। हिन्दी के विकास में कार्यरत संस्थाओं की भूमिका।

सत्रीय-कार्य–

1. उच्चारण आधारित अभ्यास भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से।
2. पाठयोजना निर्माण।
3. शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण।
4. शब्द भण्डार विकास
5. ललित निबन्ध लेखन प्रकरण आधारित
6. सूक्ति संकलन।

अध्येय ग्रन्थ–

१. पाण्डेय आर.एस. (१९९५) हिन्दी शिक्षण विनोद पुस्तक भण्डार आगरा (उ.प्र.)

२. शर्मा ब्रजेश्वर, (२०००) भाषा शिक्षण और भाषा विज्ञान केन्द्रीय हिन्दी भाषा आगरा (उ.प्र.)

३. भाई योगेन्द्रजीन, (२००३) हिन्दी भाषा शिक्षण विनोद पुस्तक भण्डार आगरा (उ.प्र.)

४. श्रीवास्तव रवीन्द्र, (२०१०) भाषा शिक्षण मैकमिलेन कम्पनी दरियागंज, नई दिल्ली

५. चतुर्वेदी, शिख्रा (२००५) हिन्दी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)

६. शर्मा, बी. एल. (२००२) हिन्दी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)

७. भटनागर, सुरेश (1995) आधुनिक भारतीय शिक्षा और उनकी समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

८. पाठक, आर.पी., (2010) भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

10.III सामाजिक अध्ययन शिक्षण

(Teaching of Social Studies)

कोर्स कोड = 125 (iii) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– सामाजिकविज्ञान की अन्तर्नुशासनपरक प्रकृति का अवबोध कराना।

– कक्षा शिक्षण परिस्थिति में सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शिक्षणविधियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की जानकारी देना।

– सामाजिक विज्ञान शिक्षण में इकाई योजना और पाठयोजना का निर्माण करने की जानकारी देना।

– सामाजिक अध्ययन शिक्षण में उपयुक्त सहायक सामग्री का निर्माण और उपयोग करने तथा मूल्यांकन की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : सामाजिक अध्ययन का स्वरूप– अवधारणा अन्तर्नुशासनात्मक प्रकृति, उद्देश्य, महत्व और क्षेत्र।

इकाई – २ : सामाजिक अध्ययन का पाठ्यक्रम– चयन, निर्माण, तथा सिद्धान्त। राष्ट्रीय केन्द्रिक पाठ्यचर्या, राष्ट्रीयशिक्षा नीति १९८६ एवं संशोधित नीति १९९२ के सन्दर्भ में।

इकाई – ३ : सामाजिक अध्ययन की शिक्षण विधियां– व्याख्यानविधि, प्रदर्शनविधि, प्रोजेक्ट विधि, वार्तालापविधि, समस्यासमाधानविधि,स्त्रोतविधि प्रविधियां: प्रश्न पूछना, अवलोकन, वादविवाद, सम्भाषण, पैनल चर्चा, विचारावेश।

इकाई – ४ : सामाजिक अध्ययन की शिक्षण में पाठयोजना– इकाई योजना और पाठयोजना में अन्तर, पाठयोजना की आवश्यकता और महत्व, पाठयोजना के सोपान, अनुदेशनात्मक उद्देश्य (इतिहास, भूगोल नागारिकशास्त्र,अर्थशास्त्र शिक्षण के संदर्भ में)

इकाई – ५ : सामाजिक अध्ययन में श्रव्य–दृश्य साधन और सामुदायिक संसाधनों का उपयोग– श्रव्य–दृश्य साधन– महत्व और उपयोग, सामाजिक अध्ययन में प्रयोगशाला, सामुदायिक संसाधनों का महत्व और शिक्षक की भूमिका, सामाजिक अध्ययन शिक्षण में मूल्यांकन।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से किन्ही दो पर लिखें। 25 अंक

१. सामाजिक अध्ययन और सामाजिक मुद्दे पर व्यष्टि अध्ययन आधारित प्रतिवेदन तैयार करना

२. सामाजिक मुद्दे से संबधित समाचार पत्र की कतरने संकलित करना

३. प्रदशर्नी, अजायबघर, प्रयोगशाला, प्रकोष्ठ अध्ययन पर प्रतिवेदन तैयार करना

४. सामाजिक विज्ञान शिक्षण से संबधित विषय पर सहायक सामग्री निर्माण करना

५. वस्तुनिष्ठ परीक्षण के प्रश्नपत्रों का निर्माण करना

अध्येय ग्रन्थ–

१.बाइनिंग एण्ड बाइनिंग (१९८५) टीचिंग आफ सोशल स्टडीज, मैकग्राहिल न्यूर्याक

२. पाठक. आर.पी. (२०१०) : दि टीचिंग ऑफ सोशल स्टडीज अटलांटिक पब्लिर्शस दरियागंज, नई दिल्ली ।

३. तनेजा, वी.आर. (१९८८) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण मार्डन पब्लिर्शिस, लुधियाना

४. शर्मा वेणीमाधव (१९८०) : सामाजिक अध्ययन की शिक्षा,धनपतराय एण्ड सन्स, नई दिल्ली

५. शैदा,बी.डी.और गुप्ता अमृतलाल (१९८२) : बेसिक सामाजिक अध्ययन, एशिया प्रकाशन, मुम्बई

६. रामपाल सिंह (१९८५) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर

७. चौधरी और गोयल (१९९०) : स्किल्स इन सोशल स्टडीज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

८. शर्मा,एम.बी (१९८८) : सामाजिक अध्ययन की शिक्षण विधि, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

९. पाठक. आर.पी. (२०१०) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली

१०. त्यागी गुरूसरन दास (१९९५) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण, आलोक प्रकाशन, लखनउ

११. Pathak, R.P. (2012) Teaching of Social Seciences, Pearson Education, Noida U.P.

10.IV गणित शिक्षण

(Teaching of Mathematics)

कोर्स कोड = 125 (iv) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- गणित शिक्षण का अन्य विषयों से सम्बन्ध निरूपण का अवबोध कराना ।
- गणित क्लब, गणित खेल एवं गणित प्रयोगशाला जैसी क्रियाओं को आयोजित कराना।
- अंकगणित, बीजगणित और रेखागणित से संबंधित प्रकरण की पाठयोजना के निर्माण करने की जानकारी देना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१ : गणित शिक्षण : अवधारणा, प्रकृति, उद्देश्य एवं क्षेत्र। प्रमुख भारतीय गणितज्ञों (जैसे-भास्कराचार्य, आर्यभट्ट एवं रामानुज) का योगदान।

इकाई-२ : पाठ्यक्रमः निर्माण के सिद्धान्त। पाठ्यक्रम में गणित का स्थान एवं महत्त्व। प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर गणित शिक्षण का पाठ्यक्रम। अन्य विद्यालयीय विषयों से गणित शिक्षण का सहसम्बन्ध।

इकाई-३ : गणित शिक्षण की विधियां : व्याख्यान एवं प्रदर्शन विधि, आगमन एवं निगमन विधि, विश्लेषण एवं संश्लेषण विधि, प्रोजेक्ट विधि, अन्वेषण विधि, एवं प्रयोगशाला विधि,।

इकाई-४ : गणित शिक्षण में प्रभावी अनुदेशन हेतु सहायक सामग्री - महत्त्व एवं प्रकार, निर्माण एवं प्रयोग में सावधानियां। मौखिक कार्य, लिखित कार्य, गणित क्लब, गणित प्रयोगशाला एवं गणितीय खेलों का आयोजन।

इकाई-५ : गणित शिक्षण में इकाई योजना और पाठयोजना - महत्त्व एवं निर्माण की प्रक्रिया। अंकगणित, बीजगणित एवं रेखागणित से संबंधित कुछ प्रकरणों पर पाठयोजना बनाना, गणित शिक्षण आकलन में प्रयुक्त विधियों ।

सत्रीय कार्य- 25 अंक

1. शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण।
2. पाठ-योजना का निर्माण।
3. गणित परीक्षा पत्र निर्माण।
4. गणितज्ञों पर आधारित निबन्ध लेखन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. चड्डा, बी.एन., (1990) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,धनपतराय एण्ड सन्स, दिल्लीअग्रवाल, एस.एम.
2. मंगल. एस.के., (1995) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,प्रकाश ब्रदर्स, लुधियाना
3. श्रीवास्तव एण्ड भटनागर, (2000) गणित शिक्षण,रमेश बुक डिपो,जयपुर
4. सिन्धु, के.एस., (2002) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,स्टर्लिंग पब्लिकेशन,नई दिल्ली
5. मिश्र डॉ0 मीनाक्षी, गणित शिक्षण, भा.वि.संस्थान,जगतगंज,वाराणसी
6. अरोड़ा, एस.के., (2000) हाउ टू टीच मैथमैटिक्स,शान्ता पब्लिशर, हांसीगेट, भिवानी
7. सक्सेना, आर.पी.,(1995) करीकुलम एण्ड टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स इन सैकण्डरी स्कूल, (एन.सी.ई.आर.टी.),नई दिल्ली
8. प्रताप,नरेश (2003) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
9. भटनागर ए.बी.(2005)) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
10. शर्मा, बी.एल(2010) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

10.V अर्थशास्त्र शिक्षण

(Teaching of Economics)

कोर्स कोड = 125 (v)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- अर्थशास्त्र के महत्व से परिचित कराना।
- अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों को व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- व्यावहारिक जीवन की समस्याओं को सुलझाने योग्य बनाना।
- प्रत्येक व्यक्ति को जीविकोपार्जन के योग्य बनाना।
- देश की आर्थिक व्यवस्था से परिचित कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई-१ : अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा एवं क्षेत्र, अर्थशास्त्र शिक्षण का महत्त्व एवं उद्देश्य, अर्थशास्त्र का अन्य विषयों के साथ सहसम्बन्ध।

इकाई-२: अर्थशास्त्र अध्ययन के विद्यालयीय पाठ्यक्रम निर्माण की आवश्यकता, पाठ्यक्रम निर्माण के मूलभूत सिद्धान्त एवं प्रक्रिया।

इकाई-३: अर्थशास्त्र शिक्षण की विधियां- परम्परागत विधियां- पाठ्यपुस्तकविधि, व्याख्यानविधि, प्रश्नोत्तरविधि। आधुनिक शिक्षण विधियां- प्रयोगशालाविधि, योजनाविधि समस्यासमाधानविधि, आगमन-निगमनविधि, विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक विधि, समाजीकृत अभिव्यक्तिविधि, निरीक्षित अध्ययनविधि, वाद-विवाद विधि।

इकाई-४: अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक : स्वरूप, उद्देश्य एवं पाठ्यपुस्तक रचना के सिद्धान्त, अर्थशास्त्र में अध्यापक की भूमिका।

इकाई-५: अर्थशास्त्र शिक्षण के लिए उपयुक्त दृश्य-श्रव्य उपकरण।अर्थशास्त्र शिक्षण की पाठयोजना।

सत्रीय कार्य-

25 अंक

1. किसी अध्यापित विषय पर पाठ्योजना निर्माण करना।
2. अर्थशास्त्र विषय से सम्बन्धित किसी उपविषय को उपयुक्त शिक्षण विधि द्वारा अध्यापन पाठ का लेखन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा, बी.एल. एवं सक्सेना, वी.एस., (1990) अर्थशास्त्र शिक्षण, चौ0 चरणसिंह विश्वविद्यालय, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, उ.प्र.
2. अग्रवाल, सुरेश कुमार,(1995) अर्थशास्त्र शिक्षण, गलगोटिया पब्लिशिंग कं., 64/4,डब्ल्यू, ई.ए. करोलबाग, नई दिल्ली
3. वर्मा, रामपाल सिंह, (1995)अर्थशास्त्र शिक्षण, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, उ.प्र.
4. सिंह, डॉ. सदन, (2005) अर्थशास्त्र शिक्षण पद्धति, भा.विद्या. संस्थान, वाराणसी, (उत्तर प्रदेश)
5. सिंह रामपाल,(2005) अर्थशास्त्र शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
6. कुमार, धर्मेन्द्र (2010) अर्थशास्त्र शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष

कुल अंक 600

तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

क्रेडिटस = 24+2*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	समयाविधि (Time Duration)
141	विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)		500	20	18 सप्ताह (Weeks)
	बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 400 (External-Summative Evaluation) आन्तरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 100 (Internal-Formative Evaluation)	शिक्षणभ्यास (Teaching Practice)	500		
151	प्रायोगिक - ई.पी.सी. **(Practicum-EPC)**	प्रायोगिक (ई.पी.सी. सहित)	100	04	2 सप्ताह (Weeks)
(i)	सूक्ष्म शिक्षण द्वारा कौशलों का विकास (Development of Skills by Micro Teaching)			20	
(ii)	सम्बद्ध विद्यालय पार्श्वचित्र (Attached School Profile)			20	
(iii)	विद्यालय आधारित गतिविधियों में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन लेखन (Participation in School Based Activities & their Report Writing)			20	
(iv)	क्रियात्मक अनुसंधान आधारित परियोजना (Action Research based Projects)			20	
(v)	सहपाठी- कक्षा-शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन (Peer Group Classroom Teaching Observation based report)			20	
152	शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% **Attandance**
(i)	परिसर आधारित स्वच्छता अभियान (Institution based Cleanliness Drive)				
(ii)	विद्यालय शिक्षकों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान (Special lectures by school teachers)				
(iii)	क्रीडा एवं खेल-कूद (Sports and Games)/ स्काउट एवं गाइड (Scout & Guide)				
(iv)	अभिभावक शिक्षक बैठक (Parent Teacher Meeting)				

विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)

उद्देश्य — विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक दक्षता का विकास करना है जिसे निम्नलिखित उद्देश्यों द्वारा प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। छात्राध्यापकों को —

- वास्तविक विद्यालय परिवेश का अनुभव प्रदान करना।
- विद्यालय गतिविधियों से परिचित कराना।
- वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षण कार्य का अभ्यास प्रदान करना।
- पाठयोजना अनुसार शिक्षण का अभ्यास प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित शिक्षण विषयों के शिक्षण में पारंगत कराना।

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम— मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वरूप —

समय अवधि (Time-duration) **18 सप्ताह**	पाठ्यक्रमीय क्रियायें (Curricular Activities)	छात्राध्यापकों द्वारा कार्य (Work done by Student Teachers)
1 सप्ताह (1 week)	**(i) विद्यालय परिवेश को जानना।** - सम्बद्ध विद्यालय के नियमित अध्यापकों के अध्यापन कार्य का अवलोकन। - सम्बद्ध विद्यालय की गतिविधियों एवं अभिलेखों पर आधारित प्रतिवेदन। - सम्बद्ध विद्यालय के सामुदायिक परिवेश का प्रेक्षण एवं प्रतिवेदन।	प्रेक्षण आख्या
1 सप्ताह (1 week)	**(ii) कक्षा शिक्षण अभिमुखीकरण** (सम्बद्ध विद्यालय के शिक्षकों एवं अध्यापक प्रशिक्षक के निर्देशन में)	
10 सप्ताह (10 weeks)	**(iii) पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास** - उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा) — दो शिक्षण विषयों पर—संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । — विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 30 (15+15)
4 सप्ताह (4 weeks)	**(iv) क— पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास — माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)** — दो शिक्षण विषयों पर—संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । — विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग। या	पाठ योजना 20 (10+10)
2 सप्ताह (2 weeks)	**(iv) ख—पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास- माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)** — दो शिक्षण विषयों पर—संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । — विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	**पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास - उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा)** — दो शिक्षण विषयों पर—संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । — विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	**(v) समीक्षा पाठ —** — समीक्षा पाठ प्रस्तुतीकरण हेतु अभ्यास — समीक्षा पाठ मूल्यांकन — सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण (Peer Class Teaching observation)	सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन

विद्यालय सम्बद्धता मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वरूप

(Structure of Evaluation Procedure of School Internship)

कुल अंक - 600 अंक

वाह्य परीक्षण (400) (योगात्मक मूल्यांकन)	आन्तरिक परीक्षण (100) (संरचनात्मक मूल्यांकन)	प्रायोगिक कार्य (100)
(i) संस्कृत शिक्षण विषय- (200) (ii) अन्य शिक्षण विषय- (200) प्रत्येक शिक्षण विषय परीक्षण हेतु अंक वितरण (क) प्रायोगिक शिक्षण परीक्षण- (100 अंक) (ख) पाठ योजना व अन्य प्रतिवदनों के आधार पर मूल्यांकन- (50 अंक) (ग) प्रयुक्त शिक्षण सहायक सामग्री (50 अंक)	(i) प्रेक्षण आख्या (10) (ii) शिक्षणाभ्यास प्रेक्षण (50) (क) 6-8th कक्षा का=30 अंक (ख) i - 9-10th कक्षा का =20 अंक या (ख) ii- 9-10th कक्षा का=10 अंक एवं - 11-12th कक्षा का =10 अंक (iii) समीक्षा पाठ (40) (क) उच्च प्राथमिक स्तर =20 अंक (ख) i - माध्यमिक स्तर = 20 अंक या (ख) ii - माध्यमिक स्तर =10 अंक उच्च माध्यमिक स्तर =10 अंक	1. विद्यालय आधारित गतिविधियों में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन लेखन(30 अंक) 2. विद्यालय / कक्षा सम्बन्धित समस्याओं पर आधारित क्रियात्मक अनुसंधान परियोजना (30 अंक) 3. सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन (20 अंक) 4. सम्बद्ध विद्यालय पार्श्व चित्र (20 अंक) (Attached School Profile)

कुल पाठ योजना = 50

(i) उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा)	= 30 पाठ(15 पाठ / शिक्षण विषय)
(ii) क– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)	= 10 पाठ (5 पाठ / शिक्षण विषय)
उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा)	= 10 पाठ (5 पाठ / शिक्षण विषय)
	- या
(ii) ख– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)	= 20 (10 पाठ/ शिक्षण विषय)

कुल समीक्षा पाठ योजना = 4

(i) उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा)	= 2 पाठ(1 पाठ / शिक्षण विषय)
(ii) क– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)	= 1 पाठ (अन्य विद्यालयीय शिक्षण विषय)
उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा)	= 1 पाठ (संस्कृत शिक्षण विषय)
	या
(ii) ख– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)	= 2 (1 पाठ/ शिक्षण विषय)

****

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

चतुर्थ सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष

कुल अंक 600

क्रेडिटस = 24+2*

चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स संख्या (Course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिटस (Total Credits)	घण्टे/ सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/ सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		500	20	20	400
161	11	पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
162	12	मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार (Value Education & Professional Ethics)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
163	13	योग, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Yoga, health & Physical Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
164	14	समसामयिक भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
165	15	निम्नलिखित में से कोई एक (Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75(E)+25(I)	4	4	80
165-(i)	15 I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
165-(ii)	15 II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guideling and Counselling)					
165-(iii)	15III	जेंडर विद्यालय एवं समाज (Gender, School and Society)					
165-(iv)	15IV	कला शिक्षा (Art Education)					
165-(v)	15 V	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
171		प्रायोगिक - ई.पी.सी. (Practicum-EPC)	प्रायोगिक ई.पी.सी.	100	04	08	160
(i)		क्षेत्र आधारित सामुदायिक कार्य (Field based Community Work)		20			
(ii)		विमर्शी संगोष्ठी/शिक्षकों के व्यवसायिक आचार पर आधारित कार्यशाला (Reflective Seminar/Workshop based on professional ethics of Teachers)		20			
(iii)		आधुनिक परिप्रेक्ष्य की समस्याओं पर लक्ष्य समूह आधारित परिचर्चा एवं प्रतिवेदन (Focussed group Discussion based on Current Problems and Report writing)		20			
(iv)		विभिन्न आसन आत्म अवबोध के परिप्रेक्ष्य में (Various Assans in the Perspective of Understaning of self)		20			
(v)		वैकल्पिक विषय आधारित प्रायोगिक कार्य (Elective Paper based Practical work)		20			
172		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	= 80% (उपस्थिति) Attandance	
(i)		विभागीय पत्रिका (Departmental magazine)					
(ii)		Foundation course by Woman Studies Centre					
(iii)		आर्ट गैलरी/शैक्षिक भ्रमण (Visit to Art Gallery/Educational Tour)					
(iv)		क्रीड़ा एवं खेल-कूद (Sports & Games)					
(v)		सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					

11. पर्यावरण-शिक्षा

(Environmental Education)

कोर्स कोड = 161 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- पर्यावरणीय शिक्षा की अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व का प्राचीन भारतीय परम्परा में निहित पर्यावरणीय दृष्टि के परिप्रेक्ष्य में अवबोध कराना।
- मानव पर्यावरण संबंध तथा परितंत्र के संप्रत्यय का अवबोध कराना।
- जैव विविधता के संप्रत्यय एवं महत्त्व तथा पर्यावरणीय प्रदूषण के प्रकार, कारण एवं निवारण के उपायों से अवगत कराना।
- पर्यावरणीय संरक्षण एवं सुरक्षा में शिक्षकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका तथा सुस्थिर विकास के सम्प्रत्यय से अवगत कराना।
- पर्यावरणीय ज्ञान, अभिवृत्ति एवं कौशल में निपुण बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई-१ : पर्यावरण-शिक्षा – अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र। पर्यावरण शिक्षा के उपागम, पर्यावरणीय शिक्षा का अन्य विषयों के साथ सहसंबंध। प्राचीन भारतीय परम्परा में पर्यावरणीय दृष्टि,पर्यावरण संरक्षण पर भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

इकाई-२ : मानव एवं पर्यावरण– मानव एवं पर्यावरण के मध्य संबंध, परितंत्र-संप्रत्यय, घटक, प्रकार, जैव विविधता-संप्रत्यय एवं महत्त्व।

इकाई-३ : पर्यावरणीय अवनयनः प्रकार, कारण – जल, भूमि, वायु, ध्वनि एवं नाभिकीय प्रदूषण के कारण एवं निवारण के उपाय। पर्यावरण एवं स्वास्थ्य,ज़ल संरक्षण एवं Rain water harvesting

इकाई-४ : पर्यावरण सुरक्षाः प्राचीन भारतीय संदर्भ में पर्यावरणीय सुरक्षा के उपाय। सुस्थिर विकास, पर्यावरण सुरक्षा संम्बन्धी कानून एवं आन्दोलन,पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण में शिक्षक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका।

इकाई-५ : पर्यावरण-शिक्षा एवं प्रबन्धन – परिस्थितिकी क्लब, शैक्षिक पर्यटन, दृश्य-श्रव्य साधन,सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की भूमिका, खेल एवं अनुरूपण। अपशिष्ट प्रबन्धन, अपशिष्ट से ऊर्जा।

सत्रीय कार्य –

25 अंक

1. पर्यावरणीय क्लब।
2. स्वच्छता अभियान कक्षा,गृह परिसर तथा आस-पड़ोस।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सक्सेना, ए.बी., (2000) पर्यावरण शिक्षा (शिक्षा के संदर्भ में), आर्यबुक डिपो, दिल्ली
2. सिंह, सविन्द्र, (2005) पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, 20-ए यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद उ.प्र.
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय पर्यावरण और संसाधन, नई दिल्ली।
4. फेडोरेव, ई.मेन एण्ड, (1980) द इकोलोजिकल क्राइसेज एण्ड सोसल प्रोग्रेस,नेचरप्रोगेरपब्लिशर्स, मास्को
5. रघुवंशी डा. अरुण एवं, पर्यावरण तथा प्रदूषण, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, चन्द्रलेखा भोपाल
6. यूनेस्को (1977) ट्रेन्ड्स इन इनवायरमेण्टल एजूकेशन, यूनेस्को, पेरिस
7. शर्मा आर.ए. (990) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
8. कालीराम (1995) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
9. वत्स, मिश्रा सन्ध्या(2005) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

10. गुप्ता,आर.डी.एवं सिंह के.बी. (2010) पर्यावरण अध्ययन,आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

12. मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार

(Value Education & Professional Ethics)

कोर्स कोड = 162 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– मूल्य शिक्षा की अवधारणा एवं आवश्यकता से परिचित कराना।
– मूल्यों के वर्गीकरण से अवगत कराना।
– मूल्य शिक्षण की विभिन्न विधियों के प्रयोग में सक्षम बनाना।
– व्यक्तित्व विकास में मूल्य शिक्षा के माध्यम से व्यावसयिक प्रतिबद्धता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : मूल्य शिक्षा– स्वरूप, उद्देश्य तथा मूल्य परक शिक्षा का विकास, मानवीय मूल्यों की अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व, शिक्षा नीतियों में मूल्य शिक्षा।

इकाई – २ : मूल्यों का वर्गीकरण– शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, नैतिक, आध्यात्मिक मूल्य के सन्दर्भ में।

इकाई – ३ : मूल्य शिक्षण की विधियां – मूल्यों का आभ्यान्तरीकरण – विद्यालयी विषयों, पाठ्य सहगामी क्रियाओं द्वारा, भूमिका निर्वहन, मूल्य स्पष्टीकरण एवं विश्लेषण, कहानी प्रस्तुतीकरण तथा चर्चा विधि ।

इकाई – ४ : व्यक्तित्व विकास में मूल्य शिक्षा – आत्मबोध, आत्मविश्लेषण तथा अन्तदर्शन, आत्मनियंत्रण, धैर्य, त्याग, रचनात्मकता, परोपकारिता। शिक्षक के लिये व्यावसायिक आचार।

इकाई – ५ : राष्ट्रीय तथा वैश्विक विकास में मूल्य शिक्षा – राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य, संवैधानिक मूल्य– जनतान्त्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्षता, समानता,न्याय, स्वतन्त्रता तथा बन्धुत्व। राष्ट्रीय एकीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास में मूल्यपरक शिक्षा की भूमिका।

सत्रीय कार्य – कोई दो 25 अंक

१. पाठ्य–पुस्तकों में निहित मूल्यों का विश्लेषण आधारित प्रस्तुतीकरण
२. मूल्य सम्बन्धित ग्रन्थावलोकन आधारित प्रस्तुतीकरण
३. भूमिका निर्वहन मूल्य आधारित समस्याओं पर

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005)शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. जैश्री, मूल्य, (2008) पर्यावरण और मानव अधिकार की शिक्षा ,शिप्रा प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली।
3. गुप्त, नत्थूलाल, (2005) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, रश्मि, खण्डाई, हेमन्त, (2011) मूल्य शिक्षा, ए.पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5. झा, नागेन्द्र, (2012) प्राचीन एवं अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, पीतमपुरा।
6. पाठक, आर.पी.,(2011) प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
7. पाठक, पी.डी. (1995) शिक्षा सिद्धान्त विनोद पुस्तक मंदिर आगरा(उ.प्र.)
8. डागर वी.एस.(1990) भारतीय समाज और मानव मूल्य, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी चण्डीगढ

9. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।

10.पाण्डेय, रामशकल (1990) मूल्य शिक्षा शास्त्र, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

11.शर्मा, आर.ए.(2000) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

13. योग, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा

(Yoga, Health & Physical Education)

कोर्स कोड = 163

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– योग शिक्षा की अवधारणा से अवगत कराते हुए योग की विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान कराना।

– बालकों को योगासन, प्राणायाम के महत्त्व को बताते हुए योगसाधना और योग चिकित्सा के महत्त्व से परिचित कराना

– अच्छे स्वास्थ्य हेतु संतुलित भोजन तथा व्यायाम की आवश्यकता और उपयोगिता से अवगत कराना।

– शारीरिक शिक्षा की अवधारणा से अवगत कराते हुए उसके मनोवैज्ञानिक पक्षों से परिचित कराना।

– विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के विविध आयामों से परिचित कराना।

पाठ्य–वस्तु (Course Content)

75 अंक

इकाई – १: भारत में योग परम्परा – अवधारणा, योग शिक्षा की आवश्यकता तथा विविध आयाम । योग की विभिन्न पद्धतियां : ज्ञान योग, भक्ति योग, कर्मयोग, मानवजीवन में इनका उपयोग तथा महत्त्व।

इकाई –२: योगासन एवं प्राणायाम– आसन, प्राणायाम स्वरूप, प्रकार, प्रक्रिया एवं महत्त्व। भारतीय दर्शन में सांख्ययोग – परिचय, मन, बुद्धि, चित्त, अंहकार का स्वरूप और महत्त्व, योग साधना और योग चिकित्सा का जीवन में महत्त्व।

इकाई-३: स्वास्थ्य शिक्षाः अवधारणा, शरीर रचना एवं क्रियाविधि, अच्छे स्वास्थ्य हेतु भोजन का महत्व, भोजन के पोषकतत्वों के कार्य तथा कुपोषण, आमिष एवं निरामिष भोजन, भोजन के मुख्य तत्त्व, संतुलित आहार। विभिन्न प्रकार के व्यायामों तथा आसनों का स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्व। आसन सम्बन्धी विकृतियां एवं कारण, निराकरण एवं उपचार।

इकाई-४: शारीरिक शिक्षा : अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र, शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता तथा सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया में शारीरिक शिक्षा का स्थान। शारीरिक शिक्षा का विद्यालयों में प्रसंगौचित्य एवं मनोवैज्ञानिक पक्ष- खेल मनोविज्ञान, खेलों में उपलब्धि तथा अभिप्रेरणा, रूचियां तथा अभिवृत्ति, शिक्षक- छात्र संबंध, खेलभावना तथा आचार संहिता।

इकाई-५: विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा : विद्यालयों में खेल - प्रकार (व्यक्तिगत तथा सामूहिक खेल) तथा उनके सामान्य नियम, महत्त्व तथा विद्यालयीय, अन्तर विद्यालयीय, अन्तर वर्गीय, अन्तर सदन, अन्तर विभागीय स्तर पर तथा वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं महत्त्व।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो।

25 अंक

१. मानव के शारीरिक एवं मानसिक विकास में योग का महत्त्व

२. योगासन एवं प्राणायाम पर आधारित प्रस्तुतियाँ।

३. सन्तुलित भोजन सम्बन्धित विविध सामग्रियों पर परियोजना कार्य।

४. विभिन्न आसनों, व्यायामों के चित्र एकत्र करना। चित्र, मांडल निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।

५. शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम का प्रतिवेदन तैयार करना।

अध्ययन हेतु संदर्भ ग्रन्थ

१. पुरूषार्थी, योगेन्द्र, (1995) वेदो में योग विद्या,महर्षि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन (म.प्र.)

२. आत्रेय, शान्ति प्रकाश, योग मनोविज्ञान

३. मुकर्जी, विश्वनाथ, (1990) भारत के महान योगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी (उ.प्र.)

४. शास्त्री, विजयपाल, (2007) पातजंल योग विमर्श, चौखम्बा वाराणसी (उ.प्र.)

५. पातजंल योगप्रदीप, गीताप्रेस गोरखपुर (उ.प्र.)
६. सिलोड़ी, महेशप्रसाद, योगामृतम(2008) मान्यता प्रकाशन नई दिल्ली
७. कल्याण योग तत्वांक, गीताप्रेस गोरखपुर, (उ.प्र.)
8. शर्मा, रमा, (1995) शारीरिक शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)
9. शैरी, जी.पी., स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)
10. सिलोड़ी, महेशप्रसाद, (2013) योगामृतम एवं सिद्धान्त,अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. कुमारी शर्मा, हरीश, योग दीपिका कमला पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली-51
12. सुखिया, एस.पी., विद्यालय प्रशासन, संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2
13. वर्मा, रामपाल सिंह, विद्यालय संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2
14. वर्मा, के.के., स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा दीपक पब्लिशर्स, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)
15. कौर, मनजीत, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा दीपक पब्लिशर्स, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

14. समसामायिक भारत एवं शिक्षा
(Contemporary India and Education)

कोर्स कोड = 164 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के विकास का समीक्षात्मक अध्ययन करना।
– शिक्षा के विकास में विभिन्न समितियों तथा आयोगों के योगदान का परिज्ञान कराना।
– स्वतत्रंता प्राप्ति के पश्चात् शिक्षा के विकास हेतु कृतकायों से अवगत कराना तथा उनका शैक्षिक नीतियों के लिए निहितार्थ समझना।
– शिक्षा के विभिन्न स्तरों में व्याप्त समसामायिक समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु किए जा रहे प्रयासों से परिचित कराना।
– शिक्षा की नई चुनौतियों का समीक्षात्मक विश्लेषण एवं उनके समाधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई – १ : प्रारम्भिक शिक्षा– आवश्यकता, उद्देश्य, सार्वभौमीकरण, आपरेशन ब्लैकबोर्ड, अपव्यय–अवरोधन तथा अन्य समस्याएं एवं समाधान, सर्वशिक्षा अभियान एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम (२००९)

इकाई – २ : माध्यमिक एवं व्यवसायिक शिक्षा– अवधारणा, महत्व, उद्देश्य, समस्याएं एवं समाधान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण। व्यावसायिक शिक्षा की अवधारणा, महत्व, उद्देश्य, समस्याएँ एवं समाधान।

इकाई – ३ : उच्च शिंक्षा– अवधारणा, उद्देश्य, महत्व, समस्याएं एवं समाधान। उच्च शिक्षा में स्वायत्तता एवं गुणवत्ता आश्वासन। राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका।

इकाई – ४ : अध्यापक शिक्षा– शिक्षक–प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर–पूर्वसेवा एवं सेवारत शिक्षक–प्रशिक्षण में केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रम, अध्यापक शिक्षा विश्वविद्यालय कार्यक्रम, अध्यापक शिक्षा हेतु प्रयुक्त अद्यतन उपागम, क्षमता संवर्धन के उपाय, सूचना सम्प्रेषण का अनुप्रयोग, अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता के नये आयाम, अध्यापक शिक्षा के उन्नयन में एन.सी.टी.ई. की भूमिका।

इकाई – ५ : स्त्री शिक्षा, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य महत्त्व दुर्गाभाई देशमुख, हंसामेहता महिला आयोग एवं उनकी संस्तुतियां। स्त्री शिक्षा के विकास में सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं एवं राष्ट्र स्तरीय/राज्य स्तरीय शीर्ष एवं नियामक शिक्षण संस्थाओं की भूमिका। स्त्री शिक्षा की विभिन्न समस्याएं एवं उनके समाधान। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य महत्त्व, समस्याएं एवं समाधान।

सत्रीय कार्य— निम्नलिखित में से कोई दो। 25 अंक

१. सेमिनार प्रस्तुतीकरण

२. एन.सी.एफ. २००५, एन.सी.टी.ई., यू.जी.सी., नी.यू.ई.पा. ए..,एन.सी.ई. आर.टी. के कार्यो की समीक्षा

३. भारतीय शिक्षा की समस्याओं पर वाद—विवाद, समूह परिचर्चा, पैनल परिचर्चा

४. अधिगम संसाधन के रूप में पुस्तकालय/प्रयोगशाला/अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अध्ययन।

अध्येय ग्रन्थ—

१. पाठक, आर.पी. (2010) आधुनिक भारतीय शिक्षा समस्याएँ एवं समाधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

२. लाल, रमन बिहारी (2005) भारतीय शिक्षा का इतिहास विकास एवं समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

३. भटनागर, सुरेश (1995) आधुनिक भारतीय शिक्षा और उनकी समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

४. शर्मा, दीपक एवं कापरी उमेश चन्द(1997) भारत में माध्यमिक शिक्षा का परिदृश्यं,आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

५. शर्मा, आर.ए. (1990) भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

६. वासु (१९८५) एजुकेशन इन मॉडर्न इण्डिया (ओरिएण्ड बुक कम्पनी) नई दिल्ली

७. भगवान दयाल (१९९१) दी डेवलपमेंट ऑफ माडर्न इण्डियन एजूकेशन (ओरिएण्ड —लोंगमास)लंदन

८. गुप्ता, एस.पी. (२०००) भारतीय शिक्षा का इतिहास व समस्याएं, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद

९. कबीर हुमायूं (१९८०) एजूकेशन इन न्यू इण्डिया एशिया बुक हाउस, मुम्बई।

१०. Pathak, R.P.(2006) : Global Trends and Development of Education in Modern India, Atlantic Publishers Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

कोर्स कोड = 165 निम्नलिखित में से कोई एक

15. I समावेशी शिक्षा

(Inclusive Education)

कोर्स कोड = 165 (i) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- समावेशित शिक्षा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य का तर्काधार समझने की योग्यता विकसित करना।
- शिक्षा में समावेशित शिक्षा की अवधारणा का प्रबल आधार खोजने की संवेदनशीलता लाना।
- विशेष संवर्ग के बच्चो की शिक्षा की आवश्यकता को दृष्टिगत रखकर शैक्षणिक हस्तक्षेपों एवं नवाचारी युक्तियों के अनुप्रयोग की कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रीय एवम् अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट शिक्षा के सन्दर्भ में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा विकलांगता को दूर करने हेतु सूचना-प्रौद्योगिकी के योगदान से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : **विशिष्ट शिक्षा**- अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, महत्त्व एवं क्षेत्र। विकलांग बालकों की शिक्षा का विकास।

इकाई - २ : **शैक्षिक इन्टरवेन्शन**- एकीकरण की प्रक्रिया, विकलांगता के अनुसार कार्यात्मक योग्यताओं का आकलन। विकलांगता एवं सहायक सेवाएं संस्थान कक्ष।

इकाई - ३ : **पाठ्यक्रम अनुशीलन**- अवधारणा, विकलांगता के सन्दर्भ में पाठ्यक्रम अनुशीलन, पाठ्यसहगामी क्रियाएं एवं संचालन। विकलांगता एवं नवाचार।

इकाई - ४ : **समावेशित शिक्षा**- अवधारणा, उद्देश्य, तत्त्व, महत्त्व, कक्षा शिक्षण विधियां, समावेशित शिक्षा की समस्याएं एवं समाधान।

इकाई-५ : **विकलांग बालकों की शिक्षा हेतु संस्थाओं का योगदान**- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका, विकलांगता और भारतीय पुनर्वास परिषद, विकलांगता को कम करने के लिए सूचना-प्रौद्योगिकी का योगदान।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. सुविधावंचित संवर्ग के किन्ही चयनित एक छात्र का व्यष्टि अध्ययन निर्माण।
2. समावेशित शिक्षा की समस्याओं एवं चुनौतियों पर आधारित समूह परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।
3. विकलांग बालकों की शिक्षा हेतु राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्वयंसेवी संस्था के प्रयासों पर आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा आर. ए., (2005) विशिष्ट शिक्षा का प्रारूप, लायल बुक डिपो, मेरठ
2. विष्ट, आभा रानी, (1992) विशिष्ट बालक का मनोविज्ञान और शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा ।
3. सिंह बी.बी.,(1990) विशिष्ट शिक्षा, वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर।
4. Gary Thomas And Mark Vaughan , (2004) Inclusive Education-Reading And Reflections" Bletchley: Open University Press, paper Book And 18.99 pp 215

5. Panda K.G., (2004)Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
6. Peshwaria R, (2004) Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
7. India Vision, The Report of the Committee of India, Planning Commission, 2020 Govt. of India Published Academic Foundation, New Delhi.
8. Thomas G, (1997) Inclusive Schools for An Inclusive Society, British Journal of Special Education
9. Stainback S. and stainback W, (1990) Inclusive Education, Baltimore, Paul Brokers, Publishing Company

15. II निर्देशन एवं उपबोधन

(Guidance & Counselling)

कोर्स कोड = 165 (ii) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– निर्देशन एवं उपबोधन के मूलभूत तत्वों का कक्षागत शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के सम्बन्ध में बोध कराना।
– निर्देशन की प्रक्रिया तथा विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रमों के आयोजन से परिचित कराना।
– वृत्ति के विकास सम्बन्धित विभिन्न तत्वों से अवगत कराना।
– उपबोधन सेवाओं की प्रविधियों से परिचित कराना।
– निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की उपादेयता एवं औचित्य से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई – १ : निर्देशन – अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य, क्षेत्र, मूलभूत सिद्धान्त, निर्देशन के प्रकार– शैक्षिक, व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत। निर्देशन तथा परामर्श में अन्तर तथा अन्तर्सम्बन्ध।

इकाई – २ : निर्देशन की प्रक्रिया तथा विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम– समूह निर्देशन तथा व्यक्तिगत निर्देशन, निर्देशन की प्रविधियां, बुलेटिन बोर्ड, कक्षावार्ता, वृत्तिक सम्मेलन, वृत्तिक प्रदर्शनियां, विभिन्न स्तरों (प्राथमिक, माध्यमिक, महाविद्यालयों) पर निर्देशन कार्यक्रमों का आयोजन।

इकाई – ३ : वृत्तिक विकास– प्रकृति, प्रक्रियां, प्रभावित करने वाले कारक, वृत्तिक विकास में सूचनाओं का एकत्रीकरण तथा प्रसार, स्थानन सेवा तथा अनुवर्ती सेवा।

इकाई – ४ : उपबोधन – अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य उपबोधन की प्रविधियां– निदेशात्मक तथा अनिदेशात्मक उपबोधन। उपबोधक की भूमिका तथा अच्छे उपबोधक के गुण।

इकाई – ५ : निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक परीक्षण– मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अर्थ, आवश्यकता तथा उद्देश्य, वर्गीकरण– बुद्धि, व्यक्तित्व, रूचि, उपलब्धि तथा अभिक्षमता परीक्षण, निर्देशन एवं उपबोधन में परीक्षणों एवं परीक्षणेतर विधियों का उपयोग।

सत्रीय कार्य – निम्मलिखित में से कोई दो — 25 अंक

१. वृत्तिक विकास में सूचनाओं के स्रोतों का संकलन तथा प्रस्तुतीकरण।
२. विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रमों का अवलोकन तथा प्रस्तुतीकरण।
३. स्थानन सेवाओं की कार्य प्रणाली का अवलोकन।
४. बुलेटिन बोर्ड बनाना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा आर. ए., एवं चतुर्वेदी शिखा (2005) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
2. भटनागर आर.पी. एवं जौहरी मन्जू (2010) शिक्षा एवं मनोविज्ञान में निर्देशन तथा परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
3. परिहार, अमरजीत सिंह(2002) निर्देशन एवं परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
4. शर्मा आर. ए., (2005) निर्देशन एवं परामर्श के मूल तत्व, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
5. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
6. वर्मा आर.पी. एवं उपाध्याय आर.वी.,(१९९५) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
7. Jayaswal, S.R., (1995) Guidance & Counselling, Prakashan Kendra, Lucknow
8. Traxller, Arthur E. (1957) Techniques of Guidance, Harper and Brother Publishers, N.Y

9. Jones, J., (1965) Principles of Guidance, MC Graw Hill Book Co N.Y
10. Kochar, S.K. (1984) Guidance and Counselling in Collage and Universities, Sterling Publishers Pvt. Ltd,.

15.III जेंडर,विद्यालय एवं समाज

(Gender, School & Society)

कोर्स कोड = 165 (iii) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- माध्यमिक स्तर पर जेन्डर संवेदीकृत शिक्षकों का विकास करना।
- शिक्षा के माध्यम से जेन्डर संवेदीकृत समाज का विकास।
- अन्तर्विषयी (interdisciplinary) उपागम को विकसित करना।
- शिक्षकों में जेन्डर अनुकूलित दृष्टिकोण को विकसित करना।
- शिक्षकों में जेन्डर विषमता (स्टीरियो टाइप चिन्तन) को समाप्त करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : जेन्डर अध्ययन से अभिप्राय, आवश्यकता एवं क्षेत्र। अध्यापक शिक्षा में महत्व। जेन्डर आधारित संकल्पनाएं, लिंग, जेन्डर ,पितृसत्ता, नारी–समता, नारीवादिता, जेन्डर बजटिंग, जेंडर स्टीरियो टाइप तथा जेन्डर समावेशित।

इकाई – २ : महिला शिक्षा , साक्षरता दर तथा लैगिंक अनुपात और इनको प्रभावित करने वाले कारक। महिला सशक्तिकरण: अवधारणा , ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, संकेत , राष्ट्रीय योजनाएं तथा नीतियां।

इकाई – ३ : महिलाओं का योगदान (प्राचीन एवं वर्तमान संदर्भ में) : समाज , राजनीति , विज्ञान, तकनीकी, प्रबन्धन, साहित्य में। भारत की प्रसिद्ध महिलाएं एवं उनका योगदान।

इकाई – ४ : जेन्डर , राष्ट्र एवं समुदाय । जेंडर संवेदीकरण: अवधारणा एवं आवश्यकता, यू. जी. सी. की 'सक्षम योजना', जेंडर सूचकांक ।

इकाई – ५ : महिला सशक्तिकरण हेतु सूचना संचार माध्यमों की भूमिका, महिला स्वास्थ्य के संदर्भ में, वैश्वीकरण। कानूनी अधिनियम।

सत्रीय कार्य – 25 अंक

१. विद्यालय के विद्यार्थियों या शिक्षकों या अन्य कर्मचारियों के जेन्डर संवेदीकरण हेतु विचारों का संकलन(प्रश्नावली)।
२. प्राचीन भारतीय साहित्य में से किसी आदर्श महिला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तैयार करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. वासु (1990) एजुकेशन इन मॉडर्न इण्डिया ओरिएण्ड बुक कम्पनी, नई दिल्ली
2. भगवानदयाल (2005) दी डेवलपमेंट ऑफ माडर्न इण्डियन एजूकेशन ओरियण्ट-लोंगमास, नई दिल्ली
3. गुप्ता, एस.पी. ,(2010) भारतीय शिक्षा का इतिहास व समस्याएं, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद (उ.प्रे.)
4. कबीर, हुमायूं, (2000) एजूकेशन इन न्यू इण्डिया, एशिया बुक हाउस, मुम्बई
5. रस्तोगी, के.जी., (2000) भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याएं,नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

6. सिंहल, एम.पी.(1995), भारतीय शिक्षा की वर्तमान समस्याएं, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पाठक, आर.पी., (2005) एजूकेशन इन दि एमरजिंग इंडिया, अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली
8. सच्चिदानन्द, ए.पी.एवं देवनाथ, आर., (2010) आधुनिकशिक्षायाः विकासः नवशिक्षानीतिश्च
9. प्राथमिक शिक्षा में अभिनव प्रयोग, एन.सी.ई.आर.टी., भारत सरकार, नई दिल्ली
10. मिनिस्ट्री ऑफ एजूकेशन, रिपोर्ट ऑफ दि सेकेण्डरी एजूकेशन (2010), भारत सरकार, नई दिल्ली

15. IV कला शिक्षा

(Art Education)

कोर्स कोड = 165 (iv) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- आर्ट शिक्षा में प्रयुक्त महत्त्वपूर्ण अवधारणों का बोध कराना।
- विभिन्न कक्षाओं के लिए इकाई योजना, पाठ योजना तथा वार्षिक योजना निर्माण करने की क्षमता का विकास करना।
- विद्यालय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों के समीक्षात्मक मूल्यांकन का अवबोध कराना।
- उपलब्धि तथा निदानात्मक परीक्षणों के निर्माण, प्रशासन तथा प्रदत्त विश्लेषण में सक्षम बनाना।
- उपयुक्त दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का निर्माण तथा कक्षा में प्रभावपूर्ण अनुप्रयोग का अवबोध कराना।
- क्षेत्र भ्रमण (**Field Trips**) तथा प्रदर्शनियों का आयोजन करना सिखाना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई- १ : कला शिक्षा की प्रकृति, क्षेत्र तथा अवधारणा- कला शिक्षा की संरचना, आवश्यकता तथा विद्यालय पाठ्यक्रम में इसका स्थान। क्षेत्र, प्रकृति तथा कला की अवधारणा, कला का शैक्षिक मूल्य तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध, कला तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना, भारतीय कलाकारों का योगदान, कला तथा समाज, भारतीय लोक कथाएं, सृजनात्मक कला।

इकाई- २ : कला शिक्षण के अनुदेशनात्मक उद्देश्य तथा प्रविधि– कला शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य, विकास की विभिन्न अवस्थाओं पर कला शिक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य, कला के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का विकास, कला शिक्षण के सिद्धान्त, कला शिक्षण की प्रविधियां।

इकाई- ३ : अनुदेशनात्मक सहायक प्रणाली- संसाधन सामग्री, कला का प्रबन्धन तथा संगठन, कला शिक्षण में दृश्य सहायक सामग्री- श्यामपट, कलात्मक वस्तुएं तथा उनका पुनर्निमाण, छायाचित्र तथा अन्य सामग्री, पाठ्य पुस्तकें, कला अध्यापक, कला कक्ष, पाठ्य सहगामी क्रियायें, प्रारम्भिक शिक्षा में सृजनात्मक गतिविधियों का महत्त्व, कला तथा सामाजिक रूप से उपयोगी कार्य (SUPW) लाइन, रंग, छपाई, सामग्री, कठपुतली तथा आवरण (Mask)।

इकाई- ४ : कला शिक्षण में नवाचार- दल शिक्षण (**Team Teaching**) क्षेत्र भ्रमण (**Field Trips**) सामुदायिक संसाधन संगणक, दूरदर्शन, क्लब, संग्रहालय, विषय प्रयोगशाला, आर्ट गैलरी, प्रदर्शनियां, राजस्थानी लोक कला का सर्वेक्षण, छायाचित्रों का संकलन, कला- चित्र संग्रह पुस्तिका (एलबम) प्राचीन वस्तुएं।

इकाई- ५ : कला शिक्षण की योजना तथा मूल्यांकन- मूल्यांकन की अवधारणा तथा लक्ष्य, उद्देश्य तथा प्रक्रिया आधारित मूल्यांकन। अध्यापक निर्मित परीक्षण, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों, ब्लूप्रिन्ट तथा प्रश्नपत्र निर्माण, विषयवस्तु विश्लेषण,इकाई योजना, दैनिक पाठ योजना तथा वार्षिक योजना की तैयारी निर्माण, प्रशासन तथा मूल्यांकन।

25 अंक

सत्रीय कार्य–

१. डिजायन, प्राचीन वस्तुएं/अनोखी वस्तुओं का संग्रह

२. प्रदर्शनियों, संग्रहालयों एवं कला कक्ष आधारित प्रतिवेदन लेखन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. राठौर, कुसुमलता(2006) कला का अध्यापन, आर.एल. बुक डिपो, मेरठ
2. Arya Jaides, Kala Ke adhyapana, Vinod Pustak Mandir, Agra.
3. Ruth Dunneth, (1945) Art and child personality, Methuen and co. ltd, London.
4. Gearge Conard, (1964) The process of Art education in theelementary school practice hall, inc. England, Cliets No,1
5. Kiya Shikshak, (1966) Vol. No. 4, Special Number, Art Education, Published by Department of Education, Rajasthan, Bikaner.
6. AAMS, Memorandum on the teaching of Art London.

15. V मानवाधिकार शिक्षा

(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 165 (v) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– भारत में मानवाधिकारों की अवधारणा से परिचित कराना।

– भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।

– विशिष्ट वर्गो के अधिकारों का अवबोध कराना।

– मानवाधिकारों के सन्दर्भ में राजकीय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोगों की भूमिका तथा कार्यप्रणाली से परिचितकराना।

– मानवाधिकार के लिए कार्यरत विभिन्न संस्थाओं की भूमिका से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : मानवाधिकार – अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा मानवाधिकारों का विकास।

इकाई – २ : भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार – मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणापत्र का परिचय, संविधान में वर्णित अधिकार–समानता,शिक्षा, जीवन, स्वतत्रंता तथा सम्मान, सामाजिक तथा आर्थिक अधिकार एवं कर्तव्य।

इकाई – ३ : विशिष्ट वर्गों के अधिकार – बालकों तथा सुविधा वंचित वर्गों के अधिकार।

इकाई – ४ : भारत में मानवाधिकार सम्बन्धित प्रयास – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग, बाल आयोग का संक्षिप्त परिचय व कार्यप्रणाली।

इकाई – ५ : मानवाधिकार के लिए कार्यरत विभिन्न संस्थाएं – यू.एन.ओ., जनसंचार के माध्यम, स्वयं सेवी संस्थाएं।

सत्रीय कार्य – कोई दो 25 अंक

१. संविधान में वर्णित मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता पर आधारित प्रस्तुतीकरण

२. स्वयं सेवी संस्थाओं की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका

३. जनसंचार माध्यमों की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका पर आधारित प्रस्तुतीकरण

४. विषय सम्बन्धित Slogans का एकत्रीकरण तथा प्रस्तुतीकरण

संदर्भ ग्रंथ सूची–

१. गुप्त नत्थूलाल, (२००५) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन दिल्ली

२. मौर्या गीता, (२०११) मानव अधिकार, अनुभव पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद,

३. हूडा राम निवास, (२००८) मानव अधिकार शिक्षा, के.एस. के. पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

४. पाठक, आर.पी. एषं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

5. शास्त्री हनीफ खान(1995) वेदों में मानव अधिकार, राष्ट्यि संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

Kaul, Anjana, (2011) Human Rights Education, APH Publishing Corporation, New Delhi

Bhatt, Savita, Dalits, (2011) Tribals and Human Rights, Adhyayan, Publishers & Distributors, New Delhi

****